हरिभूमि
सिरसा-फतेहाबाद भूमि
रोहतक, सोमवार, 30 जून, 2025

11 नशे के खिलाफ सड़कों पर उतरे बाजेकां गांव के महिला व पुरुष

12 पहाड़ों में बारिश आने से लगातार बढ़ रहा घग्गर नदी का जलस्तर,

खबर संक्षेप

नाबालिग युवती के अपहरण का आरोप

फतेहाबाद। जिले के टोहाना क्षेत्र से एक नाबालिग लड़की के अपहरण का मामला सामने आया है। इस मामले में सदर टोहाना पुलिस को शिकायत दर्ज करवाई गई है। पुलिस को दी शिकायत में टोहाना क्षेत्र के गांव के रहने वाले एक व्यक्ति ने कहा है कि उसकी 16 वर्षीय लडक़ी गत दिवस अचानक लापता हो गई। उसने आरोप लगाया कि गांव गुल्लरवाला निवासी राजेन्द्र नामक युवक उसकी लडक़ी का शादी करने की नीयत से अपहरण करके ले गया है।

जाखल मार्केट कमेटी में सांप दिखने से मचा हडकंप

फतेहाबाद। जिले की जाखल मार्केट कमेटी कार्यालय में सांप देखे जाने से हडकंप मच गया। कर्मचारियों ने तुरंत सांप को मारने की बजाय रेस्क्यू करवाने का फैसला किया और इस बारे रेस्क्यू टीम को सूचना दी। फतेहाबाद जिला वन्य जीव रक्षक टीम के सदस्य और टोहाना से सहारा रेस्क्यू टीम संचालक नवजोत सिंह ढिल्लों सूचना मिलते ही मौके पहुंचे और उन्होंने सांप का सफल रेस्क्यू किया।

लड़ाई झगड़ा करने के आरोपी को किया गिरफ्तार

फतेहाबाद। रतिया पुलिस ने लड़ाई झगड़ा करने के मामले में कार्रवाई करते हुए एक युवक को गिरफ्तार किया है। पकड़े गए युवक की पहचान दीपू जाट पुत्र राजन सिंह निवासी किशन चंद निवासी नन्हेड़ी के रूप में हुई है। मिली जानकारी के अनुसार इस बारे पुलिस ने 18 फरवरी को रामनगर कालोनी रतिया निवासी सुरेन्द्र सिंह उर्फ कालू की शिकायत पर केस दर्ज किया था।

मंदिर के स्थापना दिवस पर हवन और भंडारा

टोहाना। नई अनाज मंडी स्थित बालाजी हनुमान मंदिर के 31वें स्थापना दिवस के उपलक्ष्य में आयोजित कार्यक्रम के तहत दी दिवसीय श्रीराम चरितमानस का पाठ सम्पन्न किया गया। मंदिर पुजारी किशोर शर्मा द्वारा विधि विधान से पूजा के तहत हवन किया गया। इसमें आढ़तियों द्वारा पूर्ण आहुति डाली गई। मंदिर समिति के प्रधान प्रेम गर्ग ने बताया कि दो दिवसीय अखंड पाठ को सुबह संपन्न किया गया। गर्ग ने बताया कि उसके बाद मंदिर परिसर में हवन किया गया। जिसके बाद बालाजी का संकीर्तन किया गया, फिर भंडारा चलाया जाएगा।

निजी बस और गाड़ी में टक्कर, चालक घायल

टोहाना। गांव कन्हड़ी और समैन के बीच एक सडक़ हादसा हुआ। टोहाना से हिसार जा रही निजी बस को एक तेज रफ्तार महेंद्रा बोलेरो ने टक्कर मार दी। हादसे में बोलेरो चालक घायल हो गया। उसे इलाज के लिए निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया है। बस में सवार सभी यात्री सुरक्षित हैं। यात्रियों को रोडवेज बस से हिसार भेजा गया। निजी बस के चालक संदीप ने बताया कि वह यात्रियों को लेकर हिसार जा रहा था। इसी दौरान हादसा हो गया।

मोटरसाइकिल की टक्कर से बालक घायल

रतिया। रतिया में एक तेजगति बाईक की टक्कर से 10 साल का बालक घायल हो गया। घायल बालक को उपचार के लिए फतेहाबाद के निजी अस्पताल में भर्ती करवाया गया है। इस मामले में रतिया पुलिस को शिकायत दर्ज करवाई गई है। पुलिस को दी शिकायत में वार्ड नं. 17, शमशान घाट वाली गली रतिया निवासी महिला ज्योति ने कहा है कि वह रतिया में फुटपाथ पर कपड़े बेचने का काम करती है। उसका 10 साल का लड़का रिहान गत दिवस घर के नीचे गली में खेल रहा था।

देवशयनी एकादशी 5 जुलाई को, चार महीने के लिए शुभ कार्य हो जाएंगे वर्जित

हरिभूमि न्यूज ⏭फतेहाबाद

पंडित सोनू शर्मा।

- देवशयनी एकादशी का वर्त करने से व्यक्ति को बैकुंठ में स्थान प्राप्त होता

देवशयनी एकादशी का पर्व आषाढ़ मास की एकादशी तिथि यानि 5 जुलाई को पड़ रहा है। यह दिन भगवान विष्णु को समर्पित हैं। ऐसी मान्यता है कि इस व्रत को करने से व्यक्ति को बैकुंठ में स्थान प्राप्त होता है। साथ ही व्यक्ति की वर्तमान जीवन में सभी इच्छाएं पूरी होती हैं। साथ ही इस व्रत को करने से साधक के सुख और सौभाग्य में वृद्धि होती है। श्री श्याम मंदिर फतेहाबाद के पंडित सोनू शर्मा के अनुसार देवशयनी एकादशी का महत्व विशेष माना जाता है। दरअसल, इस दिन से भगवान विष्णु चार महीने के लिए योग निद्रा में चले जाते हैं और इन चार महीने फिर भगवान शिव के अंश रुद्र धरती का लालन पालन करते हैं।

देवशयनी एकादशी पर क्या करें

सोनू शर्मा के अनुसार देवशयनी एकादशी पर भगवान विष्णु और माता पार्वती की पूजा करना बेहद शुभ माना जाता है। सुबह उठकर स्नान के बाद पीले रंग के वस्त्र धारण करें और व्रत का संकल्प लें। इसके बाद भगवान विष्णु और माता लक्ष्मी की विधि विधान से पूजा अर्चना करें और भगवान विष्णु को तुलसी के पत्ते के भोग लगाएं। इसके बाद देवशयनी एकादशी व्रत कथा का पाठ करें और अंत में भगवान विष्णु और माता लक्ष्मी की आरती करें। जो लोग एकादशी का व्रत करते हैं या नहीं करते उन्हें विशेष रूप से इसका ध्यान रखना चाहिए कि एकादशी के दिन चावल का सेवन व करें। फलाहार करके ही एकादशी व्रत का पारण करें।

चतुर्मास का होगा आरंभ

पंडित सोनू शर्मा के अनुसार इस बार देवशयनी एकादशी तिथि का आरंभ 5 जुलाई को शाम में 6 बजकर 59 मिनट पर होगा और 6 जुलाई को रात में 9 बजकर 16 मिनट तक एकादशी तिथि रहेगी। ऐसे में उदय तिथि में होने से एकादशी तिथि का व्रत किया जाएगा। इसी दिन चतुर्मास का आरंभ होगा एकादशी व्रत का पारण द्वादशी तिथि में 7 जुलाई को सुबह 9 बजकर 30 मिनट तक कर लेना उत्तम रहेगा।

शुभ कार्य हो जाते हैं वर्जित

पंडित सोनू शर्मा ने बताया कि देवशयनी एकादशी का महत्व पुराणों में बेहद ही विशेष बताया गया है। इस एकादशी तिथि से भगवान विष्णु क्षीर सागर में विश्राम करने के लिए चले जाते हैं। करीब 4 महीने के लिए भगवान विष्णु आराम करते हैं इसलिए इसे चतुर्मास भी कहा जाता है। इस दौरान कोई भी शुभ कार्य जैसे शादी, मुंडन आदि नहीं किया जाता है। हालांकि, इस दौरान धरती के संचालन भगवान शिव के रुद्र अंश करते हैं। इसके चार महीने बाद देवउठनी एकादशी के दिन ही शुभ कार्यों का आरंभ होता है। देवउठनी एकादशी अबूझ साया होता है यानि कि सबसे शुभ व पवित्र दिन।

प्रधान के लिए 10 उम्मीदवार मैदान में, 2 पार्षद निर्विरोध निर्वाचित

कालांवाली नपा चुनाव के लिए हुई वोटिंग

17 केंद्रों पर शांतिपूर्वक सम्पन्न हुआ मतदान

हरिभूमि न्यूज ⏭सिरसा

कालांवाली नगरपालिका चुनाव के लिए रविवार को वोटिंग हुई। कड़े सुरक्षा प्रबंधों के बीच मतदाताओं ने मतदान किया। इससे पूर्व रविवार सुबह साढ़े 7 बजे मॉक पोल हुआ। इसके बाद 8 बजे वोटिंग शुरू हुई जो रविवार शाम 6 बजे तक चली। इसके लिए प्रशासन की ओर से सुरक्षा के कड़े इंतजाम किए गए। विभिन्न पार्टी कार्यकर्ताओं और एजेंटों ने वोटों से शुरूआत की। सुबह से ही मतदाता वोट डालने के लिए पहुंचे। कालांवाली में मतदान प्रक्रिया शांतिपूर्वक तरीके से चली। लोगों में भी मतदान के प्रति रूझान देखा गया। उल्लेखनीय है कि इस चुनाव में नप प्रधान पद के लिए कुल 10 उम्मीदवार मैदान में हैं और 16 वार्डों के लिए पार्षद उम्मीदवार चुनाव लड़ रहे हैं। इनमें से 2 पार्षद निर्विरोध निर्वाचित हो चुके हैं। इस चुनाव में मुख्य रूप से भाजपा और आम आदमी पार्टी अपने अपने चुनाव चिह्न पर मैदान में हैं, जबकि कांग्रेस और इनेलो के समर्थित प्रत्याशी मैदान में हैं। वहीं, भाजपा से बागी होकर भी कुछ उम्मीदवार निर्दलीय रूप से चुनाव लड़ रहे हैं। चुनावी प्रक्रिया के दौरान देखा गया कि स्थानीय नेता और कार्यकर्ता बूथों के बाहर पार्टी कैंप व वार्डों के दौरे में जुटे रहे।

मतदान को लेकर लोगों में दिखा उत्साह, सुरक्षा के रहे पुख्ता प्रबंध

चुनाव के लिए बनाए 17 मतदान केंद्र

जिला प्रशासन की ओर से नगरपालिका के इन चुनावों में 16 वार्डों के लिए कुल 17 मतदान केंद्र बनाए गए हैं। साथ ही 17 पोलिंग पार्टियां नियुक्त की गई हैं, जबकि 3 पार्टियों को रिजर्व में रखा गया है। कुल 80 चुनाव कर्मचारियों की ड्यूटी लगाई गई है और मतदान के लिए 31 ईवीएम मशीनों का उपयोग किया गया। प्रशासन की ओर से अतिरिक्त उपायुक्त वीरेंद्र सहरावत को चुनाव पर्यवेक्षक नियुक्त किया गया है। वहीं, दो ड्यूटी मजिस्ट्रेट मतदान केंद्रों पर निगरानी रख रहे हैं। किसी भी प्रकार की गड़बड़ी से निपटने के लिए कंट्रोल रूम भी बनाया गया है।

क्षेत्र में 16 हजार 161 मतदाता

काबिलेजिक्र है कि कालांवाली नगरपालिका क्षेत्र में कुल 16 हजार 161 मतदाता हैं। जिनमें 8 हजार 550 पुरुष और 7 हजार 611 महिलाएं शामिल हैं। प्रशासन ने मतदाताओं से लोकतंत्र को मजबूत करने की अपील की है। भाजपा से सुनील कुमार उर्फ टीशू प्रधान, आम आदमी पार्टी ने अजीव कुमार को चुनावी मैदान में उतारा है, जबकि महेश गोयल कांग्रेस समर्थित व अजीव कुमार इनेलो के समर्थन से चुनाव लड़ रहे हैं। वहीं चरणदास चन्नी, सुभाष गोयल, फूल सिंह लुहानी, सुनील अहलावत, चरणजीत सिंह सोढ़ी, मुकेश राजोरिया निर्दलीय चुनाव लड़ रहे हैं। वहीं, वार्ड पार्षद पदों के लिए 41 प्रत्याशी मैदान में हैं। वार्ड नंबर 12 और 15 में प्रत्याशी निर्विरोध निर्वाचित हुए हैं।

ईएसएचएम रिवर्सन मामले में मौलिक शिक्षा विभाग की लापरवाही: निंबड़ियां

- विरोध में हरियाणा अनुसूचित जाति राजकीय अध्यापक संघ ने आंदोलन को लेकर दिया अल्टीमेटम

हरिभूमि न्यूज ⏭सिरसा

हजरस के जिलाध्यक्ष सुरेश रंगा ने बताया कि हरियाणा अनुसूचित जाति राजकीय अध्यापक संघ राज्य प्रधान डॉ. दिनेश निंबड़ियां ने ईएसएचएम रिवर्सन मामले में शिक्षा विभाग की अनदेखी और टालमटोल रवैये पर कड़ा ऐतराज जताते हुए प्रशासन को अंतिम चेतावनी दी है। उन्होंने स्पष्ट किया कि यदि आगामी 10 दिनों में असंवैधानिक ईएसएचएम रिवर्सन आदेश रद कर प्रभावित शिक्षकों की पूर्ववतः पदस्थापना नहीं की गई तो विभाग के खिलाफ प्रदेशव्यापी आंदोलन शुरू किया जाएगा, जिसकी समस्त जिम्मेदारी मौलिक शिक्षा विभाग की होगी। राज्य महासचिव विनोद मोहड़ी ने बताया कि यह निर्णय संघ के राज्य स्तरीय पदाधिकारियों, जिला प्रधानों व सचिवों के साथ हुई वर्चुअल मीटिंग में लिया गया। उन्होंने बताया कि संघ के अब तक इस मामले में कई स्तरों पर गंभीर प्रयास किए, जिनमें प्रमुख रूप से शामिल है। 03 जून 2025 को अनुसूचित जाति एवं पिछड़ा वर्ग कल्याण मंत्री कृष्ण बेदी से मुलाकात। मंत्री ने तत्कालीन अतिरिक्त मुख्य सचिव शिक्षा से फोन पर वार्ता की, पर निदेशक मौलिक शिक्षा के अवकाश पर होने से समाधान नहीं हो सका। 09 जून 2025 को संघ प्रतिनिधिमंडल की अतिरिक्त मुख्य सचिव व निदेशक मौलिक शिक्षा से भेंट की गई, जहां अन्याय नहीं होने का आश्वासन दिया गया।

ईएसएचएम रिवीजन आदेश रद करने की मांग

राज्य संयोजक दलबीर राठी ने बताया कि 26 जून 2025 को निदेशक मौलिक शिक्षा ने मौखिक रूप से आदेश वापसी के निर्देश दिए, लेकिन आज तक भी कोई आधिकारिक आदेश जारी नहीं हुआ। राज्य कोषाध्यक्ष राजेश पेटवाड़ का आरोप है कि मौलिक शिक्षा के विभागीय स्टाफ में अनुसूचित जाति वर्ग के प्रति हीन भावना एवं भेदभावपूर्ण मानसिकता स्पष्ट नजर आ रही है, जिसके चलते बार-बार राजनीतिक व प्रशासनिक हस्तक्षेप के बावजूद आदेश लागू नहीं किए जा रहे। राज्य प्रधान ने दोहराया कि यह मामला केवल प्रशासनिक निर्णय नहीं, बल्कि संवैधानिक अधिकारों, सामाजिक न्याय और न्यायपालिका की गरिमा से जुड़ा विषय है। बिना कारण बताओ नोटिस और स्पष्ट दिशा-निर्देशों के, दोहरे मापदंड अपनाकर आदेश जारी करना न केवल अन्यायपूर्ण है, बल्कि उच्च न्यायालय में लंबित मामले की अवमानना है। उन्होंने विभाग से अपील की है कि ईएसएचएम रिवीजन आदेश 10 दिनों में रद्द किए जाएं अन्यथा लोकतांत्रिक तरीकों से विरोध प्रदर्शन, धरना, घेराव व चरणबद्ध आंदोलन आरंभ किया जाएगा। वर्चुअल मीटिंग में राज्य कोषाध्यक्ष राजेश पेटवाड़, राज्य संयोजक दलबीर राठी, राज्य उप प्रधान अरुण भौरिया, राज्य प्रेस सचिव रमेश मथाना, राज्य सचिव अनिल मेडल, पूर्व प्रदेश महासचिव चंद्रमोहन, राज्य सह सचिव जगदीश चहल, सुरेंद्र रानीला, राज्य उप प्रधान करनैल सिंह आदि मौजूद रहे।

पांच दिनों में उखाड़ी 47 अवैध पाइप

- मंगाला डायरेक्ट माइनर से अवैध पाइपें हटाने की कार्रवाई जारी
- 28 किलोमीटर लंबाई में दिए गए है स्थाई 14 मोगे

हरिभूमि न्यूज ⏭सिरसा

ओटू हेड से निकलने वाली मंगाला डायरेक्ट माइनर से अवैध पाइपें हटाने की कार्रवाई लगातार जारी है। पांच दिनों में विभाग की ओर से 47 अवैध पाइपों को हटाया जा चुका है। हालांकि अभी टेल पर स्थित जमाल और कुतियाना गांव के रकबे में विभाग पाइपें हटाने में जुटा है। रविवार शाम तक विभाग माइनर पर दबी सभी अवैध पाइपों को हटा देगा। सिंचाई विभाग के एसडीओ रघुवीर सिहं की देखरेख में मंगाला डायरेक्ट माइनर पर स्थित गांव जमाल क्षेत्र में कार्रवाई की गई। ओटू हेड से कुतियाणा तक 28 किलोमीटर लंबाई में मंगाला डायरेक्ट माइनर से अब तक 47 अवैध पाइपों को विभाग हटा चुका है। पाइपों को न हटाने को लेकर अब टेल पर स्थित गांवों के किसान भी अधिकारियों से अपील करने के लिए पहुंच रहे हैं। बता दें कि ओटू हेड से निकलने वाली मंगाला डायरेक्ट माइनर में फल्डी सीजन में ही पानी पहुंचता है।

डीजल पंप की सहायता से किसान उठा सकेंगे पानी

सिंचाई विभाग ने 28 किलोमीटर लंबी मंगाला डायरेक्ट माइनर पर 14 स्थाई मोगे दिए हुए है। मोगे कम होने के कारण कई किसानों ने लाखों की राशि खर्च करने के बाद पाइप लाइन डाल रखी है और कई किलोमीटर लंबी पाइप डालने के बाद खेतों की इससे सिंचाई करते हैं। तटबंध से पाइप हटाने के बाद किसान डीजल पंप की सहायता से पानी उठा सकेंगे और खेतों की सिंचाई कर पाएंगे। पाइप हटाने के कारण किसानों की परेशानी भी बढ़ी है और अब किसानों नया पंप सेट या ट्रैक्टर पंप की सहायता से पानी निकालना पड़ेगा। जिससे उन्हें डीजल की खपत करनी होगी और आर्थिक नुकसान झेलना पड़ेगा।

पुलिस बल भी मौके पर मौजूद

सिंचाई विभाग के जेई गुरविंद्र सिंह ने बताया कि टेल पर पानी पहुंचाने के लिए अवैध पाइपों को हटाने की कार्रवाई चल रही है। अब तक 47 अवैध पाइपों को हटाया जा चुका है। जल्द ही कार्रवाई पूरी कर दी जाएगी। पुलिस बल भी कार्रवाई के दौरान मौके पर उपस्थित है।

240 किलो चूरा पोस्त तस्करी में चौथा गिरफ्तार

- नशा तस्करी नेटवर्क को लेकर तलाश जारी

हरिभूमि न्यूज ⏭फतेहाबाद

एंटी नारकोटिक्स सेल फतेहाबाद ने नशा तस्करी की कड़ी को तोडने में एक और सफलता प्राप्त की है। 240 किलोग्राम चूरा पोस्त की तस्करी से जुड़े एक संगठित नेटवर्क में शामिल चौथे आरोपी को भी गिरफ्तार किया गया है। इससे पहले इस मामले में तीन आरोपी पहले ही काबू किए जा चुके हैं। गिरफ्तार आरोपी की पहचान रिसाल उर्फ रिसाला पुत्र बंसत सिंह, निवासी कोलगढ़ (कंवलगढ़), रतिया के रूप में हुई है। आरोपी की पहचान पूर्व में गिरफ्तार किए गए आरोपियों से गहन पूछताछ और तकनीकी साक्ष्यों के आधार पर की गई। इसके पश्चात गुप्त सूचना और सटीक निगरानी के तहत एएनसी स्टाफ द्वारा उसे सफलतापूर्वक गिरफ्तार किया गया। एएनसी स्टाफ प्रभारी निरीक्षक प्रहलाद राय ने बताया कि दिनांक 16 मई को एएसआई रघुबीर सिंह के नेतृत्व में पुलिस टीम ने अयालकी के नजदीक एक बोलेरो गाड़ी से 240 किलोग्राम चूरा पोस्त बरामद किया था। इस संबंध में थाना सदर फतेहाबाद में एनडीपीएस एक्ट के तहत मामला दर्ज किया गया था। इस प्रकरण में पुलिस तीन आरोपियों को पहले ही गिरफ्तार कर चुकी है, और अब चौथे आरोपी रिसाल उर्फ रिसाला की गिरफ्तारी भी हो गई है। अब तक इस केस में कुल चार आरोपी गिरफ्तार किए जा चुके हैं, जिनके खिलाफ एनडीपीएस एक्ट की सख्त धाराओं के तहत कार्रवाई की जा रही है। आरोपी से पूछताछ जारी है और नशा तस्करी नेटवर्क के अन्य सदस्यों की तलाश तेजी से की जा रही है।

फतेहाबाद। चूरापोस्त तस्करी मामले में गिरफ्तार रिसाला। फोटो: हरिभूमि

378 किलो चूरापोस्त के मामले में सप्लायर काबू

फतेहाबाद। फतेहाबाद पुलिस द्वारा आदतन अपराधियों की धरपकड़ की कार्रवाई लगातार जारी है। इसी कड़ी में थाना शहर फतेहाबाद पुलिस ने एक शातिर नशा सप्लायर को काबू किया है। गिरफ्तार आरोपी की पहचान सुरेश उर्फ फौजी पुत्र नत्थू राम निवासी बनमनदौरी के रूप में हुई है। आरोपी के खिलाफ थाना शहर फतेहाबाद में 15 अगस्त 2024 को एनडीपीएस एक्ट के तहत मामला दर्ज है। थाना शहर प्रभारी उप-निरीक्षक ओमप्रकाश ने बताया कि एवीटी स्टाफ फतेहाबाद की टीम गश्त के दौरान गुप्त सूचना प्राप्त हुई कि एक ट्राले के माध्यम से राजस्थान से भारी मात्रा में चूरा पोस्त लेकर हिसार होते हुए फतेहाबाद की ओर आ रहे हैं। ट्राले की तलाशी लेने पर उसमें से लगभग 378 किलोग्राम चूरा पोस्त बरामद हुआ।

सीआईडी से बताकर ली तलाशी, की मारपीट

- मामले में पुलिस ने पूर्व सरपंच को किया गिरफ्तार

हरिभूमि न्यूज ⏭फतेहाबाद

खुद को सीआईडी से बताकर कार सवार युवकों की तलाशी लेने और मारपीट करने के मामले में भूना पुलिस ने पूर्व सरपंच को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार आरोपी की पहचान सूरजमल पुत्र चतर सिंह निवासी दहमन के रूप में हुई है। पुलिस ने आरोपी के पास से मारपीट में उपयोग की गई मोटरसाइकिल भी बरामद की है। थाना भूना प्रभारी इंस्पेक्टर सुरेंद्रा ने बताया कि यह मामला 6 जून को गांव चौबारा निवासी राजेश कुमार की शिकायत पर दर्ज किया गया था। शिकायतकर्ता के अनुसार रात को वह अपने दोस्त सुखबीर निवासी गोरखपुर के साथ कार में सवार होकर दहमान से वापस गावं चौबारा आ रहे थे। जैसे ही वह कुछ दूरी पर पहुंचे तो उन्होंने लघुशंका के लिए कार को सड़क किनारे रोक लिया। इतने में मोटरसाइकिल पर दो युवक आए और कहा कि यहां कैसे खड़े हो, यहां पहले तीन-चार वारदात हो चुकी है। उन्होंने खुद को सीआईडी से बताते हुए तलाशी लेने की बात कही।

विभाग सर्वे कर स्वच्छता के बारे में कर रहा जागरूक

दो सप्ताह में 730 बच्चे मिले डायरिया से ग्रस्त

- मानसून सीजन में आमतौर पर बच्चों की इम्युनिटी कमजोर होने के कारण उल्टी-दस्त तथा डायरिया के केस बढ़ रहे

हरिभूमि न्यूज ⏭सिरसा

जिला में पिछले दो सप्ताह के दौरान डायरिया ग्रसित बच्चों की पहचान कर उन्हें उपचार दिलाने के लिए स्वास्थ्य विभाग का स्टाप डायरिया कैंपेन चलाया जा रहा है। मानसून सीजन में आमतौर पर बच्चों की इम्युनिटी कमजोर होने के कारण उल्टी-दस्त तथा डायरिया के केस बढने लगते हैं। ऐसे में बच्चों पर विशेष ध्यान देने की आवश्यकता रहती है। पूरे जिला में इन दो सप्ताह के दौरान स्वास्थ्य कार्यकर्ताओं के सर्वे में 730 बच्चों में डायरिया के लक्षण मिल चुके हैं। डायरिया के लक्षणों से संक्रमित पाए जा रहे चिह्नित बच्चों को नजदीकी स्वास्थ्य केंद्र से उपचार दिलवाने के साथ ही जिंक व ओआरएस के घोल भी स्वास्थ्य कार्यकर्ताओं द्वारा घर-घर पहुंचाए जा रहे हैं। जिला प्रतिरक्षण अधिकारी डा. रणजीत कंबोज ने बताया कि सभी माता-पिता को शून्य से पांच साल तक के अपने बच्चों में डायरिया के प्रति सचेत रहना चाहिए। इसकी रोकथाम के लिए विभाग की ओर से जिंक व ओआरएस कार्नर का निर्माण भी प्रत्येक राजकीय स्वास्थ्य संस्थान में किया गया है। स्वजन संस्थान में पहुंचकर निःशुल्क जिंक की गोलियां व ओआरएस का घोल प्राप्त कर सकते हैं।

31 जुलाई तक विभाग रखेगा विशेष निगरानी स्पेशल इम्युनाइजेशन वीक भी जारी

सीनियर फार्मेसी आफिसर योगेश खन्ना ने बताया कि विभाग ने 16 जून से जिलाभर में स्टाप डायरिया कैंपेन की शुरूआत की है। यह अभियान 31 जुलाई तक जारी रहेगा। इसके तहत जिला शून्य से पांच साल तक के 95 हजार 108 बच्चों को कवर करने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। अब तक जिला में कार्यरत 1014 आशा व एएनएम कार्यकर्ताओं ने घर-घर संपर्क कर 2788 बच्चों को जिंक तथा 8376 बच्चों को ओआरएस के पैकेट उपलब्ध करवाए जा चुके हैं। इन स्वास्थ्य कार्यकर्ताओं की ओर से स्वजन तथा बच्चों को साफ-सफाई का विशेष रूप से ध्यान रखने तथा खाना बनाने-खाने, शौचालय जाने के बाद अच्छी तरह हाथ धोने, पीने का पानी साफ उपयोग में लाने की सलाह दी जा रही है। उन्होंने बताया कि बच्चों को होने वाली बीमारियों की रोकथाम के लिए स्पेशल इम्युनाइजेशन वीक 28 जून तक चल रहा है। जिसमें एमआर वन से लेकर टिटनेस-डिप्थीरिया जैसे 11 प्रकार के रोगों की रोकथाम के लिए छूटे बच्चों को टीकाकरण के लिए सेशन आयोजित किए गए है। अब तक 86 सेशन के दौरान जिला में 76 प्रतिशत बच्चों को कवर किया जा चुका है।

सावन की मस्ती

सावन माह शुरू होने जा रहा है। सावन की मस्ती से भला कौन वाकिफ नहीं। रिमझिम के दौरान युवाओं के अलावा बच्चे भी घरों की छतों पर या गलियों में अक्सर उछल-कूद करते हुए देखे जा सकते हैं। गलियों में पानी भर जाने पर कागज की किश्ती बनाकर उसे तैराना हर किसी के जीवन का खास यादगार पल होता है। किशोरों की टोलियों को बरसात में भीगना, एक-दूसरे को भिगौना खूब सुहाता है। ऐसे में बड़े-बुजुर्ग और महिलाएं अक्सर गुलगुले-पकौडे.आदि पकवान का स्वाद लेते हैं।

चौमासे में गुलगुले-घेवर की खुशबू से महकेंगी गलियां

प्रदेश में सावन के महीने में सरसों के तेल का सेवन सेहत के लिए उत्तम माना जाता है। इसलिए आज भी गांव-देहात में सावन के महीने में गुलगुले और सुहाली बनाकर खाए जाते हैं। एक समय ऐसा भी था, जब बारिश होते ही सभी घरों में कढ़ाइयां चढ़ जाती थी और सरसों के तेल में मीठे आटे से गुलगुले और सुहालियां बनाई जाती थी। कोथली के लिए और घरों में खाने के लिए आजकल बाजारू चीजों को वैरियता दी जाने लगी है। अब बारिश के मौसम में गुलगुले व सुहाली भी कम ही बनने लगे हैं।

चातुर्मास

राज कुमार नरवाल

चौमासा शुरू हो गया है। बारिश का मौसम आ गया है। अब हमारा रहन सहन, खान-पान और पहनावा बदल जाएगा। हमारे पूर्वजों ने ऋतुओं के हिसाब से ही हमारी परंपराएं व रीति-रिवाज बनाए थे। हमारे पूर्वजों के बनाए इन नियमों पर चलते हुए हम अपने आप को स्वस्थ रख सकते हैं। झुलसाने वाली ज्येष्ठ महीने की गर्मी के बाद आषाढ़ महीना चल रहा है। 11 जुलाई से सावन का महीना शुरू हो जाएगा। बरसात के इस मौसम में हमें क्या खाना चाहिए और क्या नहीं खाना चाहिए, हमारे पूर्वजों ने हमारे लिए नियम तय किए थे। सबसे पहले बात करते हैं कि चौमासा होता क्या है?

हरियाणा में 'चौमासा' शब्द का उपयोग वर्षा ऋतु के चार महीनों (आषाढ़, श्रावण, भाद्रपद और आश्विन) के लिए किया जाता है। इसे चातुर्मास भी कहा जाता है। इस दौरान, शुभ और मांगलिक कार्यों को करना शुभ नहीं माना जाता है। चातुर्मास चार महीनों (120 दिन) का होता है, जो आषाढ़ मास के शुक्ल पक्ष की एकादशी (देवशयनी एकादशी) से शुरू होता है और कार्तिक मास के शुक्ल पक्ष की एकादशी (देवउठनी एकादशी) तक चलता है। इन चार मास में हमारा खान-पान और रहन सहन बदल जाते हैं। इस दौरान कुछ त्योहार भी आते हैं। इन त्योहारों को धूमधाम से मनाया जाता है। चौमासा शुरू होते ही हमारे गांवों की गलियां गुलगुले, सुहाली और घेवर की खुशबू से महकने लगती हैं। चौमासा शुरू होते ही शहरों और गांवों में अभी से ही घेवर बनना शुरू हो गया है। सावन का महीना शुरू होते ही बरसात के मौसम में बनाए जाने वाले पकवानों की महक और बढ़ जाएगी।

गुलगुले और सावन का खास मेल

गुलगुले-सुहाली और सावन के महीने का खास मेल है। हरियाणा प्रदेश में सावन के महीने में सरसों के तेल का सेवन सेहत के लिए उत्तम माना जाता है। इसलिए आज भी गांव-देहात में सावन के महीने में गुलगुले और सुहाली बनाकर खाए जाते हैं। एक जमाना ऐसा भी था, जब बारिश होते ही सभी घरों में कढ़ाइयां चढ़ जाती थी और सरसों के तेल में मीठे आटे से गुलगुले और सुहालियां बनाई जाती थी। कोथली के लिए और घरों में खाने के लिए आजकल बाजारू चीजों को वैरियता दी जाने लगी है। पहले की बजाए अब बारिश के मौसम में गुलगुले व सुहाली भी कम ही बनने लगे हैं।

भाई-बहन के रिश्ते को मजबूत बनाती है सावन की कोथली

हरियाणा में महिलाओं के मान-सम्मान से जुड़े कई ऐसे रीति रिवाज हैं, जो आज भी गांव-देहात में प्रचलित हैं। यहां सावन के महीने में भाई अपनी बहन को कोथली देने जाता है। इसमें वह उसके कपड़े, गुलगुले, सुहाली, घेवर, पतासे व फल आदि लेकर जाता है।

बहनों को सावन में अपने भाइयों का बेसब्री से इंतजार रहता है, कि कब भाई आए और वह अपने आस-पड़ोस व परिवार को बताए कि उसका भाई उसकी कोथली लेकर आया है। महिलाएं कोथली में आए सामान को आस-पड़ोस में बड़े चाव से बांटती हैं। लेकिन कोथली का यह रिवाज अब आधुनिकता की भेंट चढ़ता जा रहा है। बहन-भाई के रिश्ते अब पहले जितने प्रगाढ़ नहीं रहे, जिस वजह से अब बहुत से भाई अपनी बहन की कोथली देने नहीं जाते।

किसी जमाने में जो भाई अपनी बहन की कोथली नहीं देने जाता था, उसे समाज में हीन भावना से देखा जाता था और समाज के डर से नाराजगी में भी वह अपनी बहन की कोथली देने जाता था। बहन व भाई नाराज हो जाते थे तो सावन के महीने में भाई कोथली लेकर बहन के घर पहुंचता तो सारे गिले-शिकवे दूर हो जाते थे। कोथली एक ऐसा रिवाज है, जिससे बहन और भाई का रिश्ता और मजबूत बनता है। मगर अब वह पहले जैसी बात नहीं रही। अब रिश्तों की मिठास कम होती जा रही है। सावन में कोथली यदि लेट हो जाती तो महिलाएं गीतों के माध्यम से उलाहने देना शुरू कर देती थी। एक गीत में एक महिला ने किसी जमाने में उलाहना देते हुए यह गीत गाया था कि-

नीमों के निंबोली लागी सामणिया कद आवैगा,
मरियो ए बसंता नाई मेरी कोथली कब लावैगा।

पुराने जमाने में यदि भाई को समय नहीं होता तो नाई को कोथली देने भेज देते थे। इसलिए इस गीत में नाई का जिक्र है। एक महिला का भाई नहीं था, जिसने गीत के माध्यम से कोथली न पहुंचने की पीड़ा अपनी सास के साथ इस प्रकार जाहिर की थी

ऐरी सासड़ तीजां का बड़ा त्योहार
मेरा कोन्या मां का जाया बीर,
मेरी कोथली कोण पहुंचावैगा।

सावन माह में सिंधारा

शादी के बाद जब पहला सावन आता है तो सावन के महीने में लड़की अपनी ससुराल में नहीं रहती। वह अपने मायके चली जाती है। इस दौरान नवविवाहिता का ससुर सिंधारा लेकर बेटे की ससुराल पहुंचता है। इस सिंधारे में भी कोथली वाला ही सामान होता है। यह भी ऐसी परंपरा है, जिससे रिश्तों को मजबूती मिलती है।

बहन के घर देते हैं सिधा

होली, दीपावली और मकर सक्रांति आदि त्योहारों पर भाई अपनी बहनों के पास सूट, फल, मिठाई और घी आदि लेकर जाते हैं। भाई को त्योहार पर अपने घर देखकर बहन बहुत खुश होती हैं। अपने दुख-सुख सांझा करती हैं और यदि बहन की आर्थिक स्थिति कमजोर हो तो भाई जो सामान लेकर पहुंचता है उससे परिवार का त्योहार अच्छे तरीके से मन जाता है।

तीज का त्योहार

हरियाणा प्रदेश में वर्षा ऋतु (मानसून) के आगमन पर तीज का त्योहार सबसे पहले आता है, जो जुलाई या अगस्त में पड़ता है। कहा भी जाता है कि आई तीज, बिखेरगी बीज अर्थात तीज पर्व से त्योहारों का आगमन प्रारंभ हो जाता है। यह त्योहार पार्वती और भगवान शिव के प्रेम का प्रतीक है और हरियाली तीज के नाम से भी जाना जाता है। महिलाएं इस दिन हरे रंग के कपड़े पहनती हैं और रंग-बिरंगी चूड़ियां पहनती हैं।

धार्मिक मान्यता

धार्मिक मान्यताओं के अनुसार, इस दौरान भगवान विष्णु योग निद्रा में चले जाते हैं और भगवान शिव सृष्टि का संचालन करते हैं। चातुर्मास के दौरान, विवाह, गृह प्रवेश, सगाई जैसे शुभ और मांगलिक कार्य नहीं किए जाते हैं। यह समय पूजा-पाठ, जप, ध्यान, और आत्म-चिंतन के लिए उत्तम माना जाता है। चातुर्मास में, कुछ लोग जमीन पर सोते हैं, शाकाहारी भोजन करते हैं, और कुछ विशेष वस्तुओं जैसे कि गुड़, तेल, दूध, दही, बैंगन, शाकपत्र आदि का सेवन नहीं करते हैं।

गोगा नवमी का त्योहार

यह त्योहार भाद्रपद महीने में मनाया जाता है। यह त्योहार गोगा वीर (एक लोक देवता) को समर्पित है, जो सांपों के देवता के रूप में भी जाने जाते हैं। इस दिन, लोग गोगा वीर की पूजा करते हैं और सांपों से सुरक्षा के लिए प्रार्थना करते हैं।

लोकगीत और नृत्य

बारिश के मौसम में, हरियाणा में लोकगीत और नृत्य का विशेष महत्व है। लोग पारंपरिक वाद्ययंत्रों के साथ गाते और नाचते हैं, जो बारिश और फसल के मौसम का जश्न मनाते हैं।

चौमासा फसल के लिए खास

खरीफ की फसल के लिए महत्वपूर्ण माना जाता है। यह समय किसानों के लिए भी महत्वपूर्ण होता है, और वे इस दौरान अपने खेतों में काम करते हैं। बारिश का मौसम हरियाणा के किसानों के लिए महत्वपूर्ण है, क्योंकि यह फसल उगाने का समय होता है। इस दौरान, किसान खेतों में काम करते हैं और फसल की अच्छी पैदावार के लिए प्रार्थना करते हैं।

इस मौसम में खान-पान का विशेष ध्यान रखना जरूरी

- बारिश के मौसम में हरी पत्तेदार सब्जियां नहीं खानी चाहिए। क्योंकि इनमें बैक्टिरिया और किटाणुओं से संक्रमित होने का खतरा बना रहता है। पत्तों के बीच में कीड़े मिलने की संभावना बनी रहती है।
- लौकी, करेला और तोरई का सेवन करना : चाहिए।
- दूध और दूध से बने उत्पाद जैसे दही, छाछ व पनीर सीमित मात्रा में प्रयोग करना चाहिए।
- मांस, मछली और अंडे तामसिक भोजन में आते हैं, ये पाचन तंत्र को प्रभावित करते हैं, इसलिए चौमासा में इनका सेवन करने से बचना चाहिए।
- बैंगन में भी कीड़े होने की संभावना बनी रहती है, इसलिए बैंगन नहीं खाना चाहिए।
- धार्मिक मान्यताओं में भाद्रपद महीने में तो दही का सेवन वर्जित माना गया है।
- मूंग, मसूर और अरहर की दाल का सेवन करना चाहिए।
- मौसमी फल जो शरीर को विटामिन और खनिज प्रदान करते हैं, ऐसे फलों का सेवन करना चाहिए।
- संभव हो तो चौमासे में दिन में केवल एक बार ही भोजना करना चाहिए। रात को हल्का भोजन या फल खाना चाहिए। पर्याप्त मात्रा में पानी पीना चाहिए। भोजन को साफ़ और स्वच्छ वातावरण में बनाना चाहिए।
- चौमासा के दौरान, स्वास्थ्य का विशेष ध्यान रखना चाहिए।
- यदि कोई व्यक्ति किसी बीमारी से पीड़ित है, तो उसे डॉक्टर से सलाह लेनी चाहिए कि उसे क्या खाना चाहिए और क्या नहीं खाना चाहिए।

रागनी **डा. रणबीर सिंह दहिया**

निकम्मा घना सै करतार

सोलां सोमवार के ब्रत राखे मिल्या नहीं सही भरतार
दुख की छाया ढली कोण्या निकम्मा घना सै करतार

बालकपन तैं चाहया करती मन चाहया भरतार मिलै
बराबर की इंसान समझै ठीक ठाक सा घर बार मिलै
उठते बैठते सोच्या करती बढ़िया सा मनै परिवार मिलै
मेरे मन की बात समझले नहीं घणा वो थानेदार मिलै
इसकी खात्तर मन्नत मानी चढ़ावे चढ़ाए मनै बेसुमार
दुख की छाया ढली कोण्या निकम्मा घणा सै करतार

मेरी सहेली नै ब्याह ताहिं एक खास भेद बताया था
सोलां सोमवार के ब्रत करिये मेरे को समझाया था
बोली मनचाहया वर मिलै जिसनै यो प्रण पुगाया था
मनै पूरे नेग जोग करे एक बी सोमवार ना उकाया था
बाट देखै बढ़िया बटेऊ की यो म्हारा पूरा ए परिवार
दुख की छाया ढली कोण्या निकम्मा घणा सै करतार

कई जोड़ी जूती टूटगी फेर जाकै नै यो करतार पाया
पहलम तै बोले बहु चाहिए ना चाहिए सै धन माया
ब्याह पाछै घणे ताने मारे छोरा बिना कार के खंदाया
सपने सारे टूटगे मेरे बेबे सोमवार ब्रत काम ना आया
पशु बरगा बरतावा सै ना करै माणस बरगा व्यवहार
दुख की छाया ढली कोण्या निकम्मा घणा सै करतार

ये तो पाखण्ड सारे पाये ना भरोसा रहया भगवान मैं
उसकी ठीक गलत सारी पु[illegible]ायी ना दया उस इंसान मैं
फेर न्यों बोले पाछले मैं क[illegible] रही भक्ति तनै पुगाण मैं
आंधा बहरा राम जी भी [illegible] आया पिटती छुड़ाण मैं
कहै रणबीर बरोने आल[illegible] आज पाखंडाँ की भरमार
दुख की छाया ढली कोण्या निकम्मा घणा सै करतार

कविता **राजपाल सिंह गुलिया**

मजबूरी का मोल नहीं सै

मजबूरी का मोल नहीं सै, कहते आए लोग सयाणे।
देखे हमने अकल बिना भी, इस दुनिया में ऊँट उभाणे॥

टोटा बैरी मजबूरी म्हँ, जिब चूँट - चूँट कै खावै सै।
लाचारी हो पर्वत तैं भारी, कुछ ना पार बसावै सै।
आग बलै ना अगर पेट म्हँ, तै कोण कमावण जावै से।
मजबूरी या प्यार घणा हो, ना तै कोण किसे कै खावै सै।
कोण अपणा भेद बतावै सै, बिना जाणे और पिछाणे॥

घणा कसूता काम देख ल्यो, माणस जिब मजबूर हों सैं।
कुछ तै फाँसी खा कै मरज्या, कुछ नशे म्हँ ए चूर हों सैं।
दर्द कसूता हो सै जिब, नूँह आंगलियाँ तैं दूर हों सैं।
वो भी हमने पिटते देख्ये, जिनके ..नाहीं कसूर हों सैं।
इब वोहे लोग .मसूर .हों, जो गावैं सैं भूंडे गाणे।

जिनके .देख्ये छो आवै सै, उनतै करणे सलाम पड़ैं सैं
दो धेले के माणस तैं भी, कदे जरूरी काम पड़ैं सैं।
लुक - छुप .कै .जो काम करे, मानने सरेआम पड़ैं सैं।
शौक और मजबूरी म्हँ तैं, देणे दूणे दाम पड़ैं सैं।
ज्यूँ आँधी म्हँ आम झड़ैं सैं, लागे न्यू ये दाम बिराणे॥

किसै की घणी किसै की थोडी, सबकी ए मजबूरी हो सै।
वो भी फिरैं हाँडते मिरगा, जिन धोरे कस्तूरी हो सै।
दिल अपणे नै डाट बावले, यो भी भोत जरूरी हो सै।
सभ के मन की इच्छा बोलो, किसकी किसतैं पूरी हों सैं।
राजपाल गुलिया कहता, थम, भी बणो आंध्यां म्हं काणे॥

haribhoomisahitya@gmail.com पर आप अपनी रचनाएं भेज सकते हैं।

कार्यकाल

अंग्रेजों ने बदले की भावना से विशाल झज्जर रियासत को 54 वर्षों बाद ही 1858 में मात्र एक तहसील बना दिया था

बेहद रोचक इतिहास है रियासत झज्जर का

झरोखा **यशपाल गुलिया**

अंग्रेजों ने बदले की भावना से विशाल झज्जर रियासत को मात्र एक तहसील बना डाला था। पाठ्य सामग्री के अभाव के कारण झज्जर के इतिहास बारे ज्यादातर नागरिक आज तक अनभिज्ञ ही हैं। केवल झज्जर के अन्तिम नवाब के विषय में ही जाना जाता है, जबकि सन 1804 में झज्जर के एक रियासत बनने से पहले भी यह एक शासकीय दस्तूर / परगना रहा था जिस पर विभिन्न प्रशासक नियुक्त रहे थे।

झज्जर नगर की स्थापना वर्ष 1200 के आसपास भोजू जाट द्वारा की गई थी। उसके बाद नव स्थापित बस्ती ने तीव्र गति से विस्तार किया तथा सुदूर क्षेत्र अफगानिस्तान तक के नागरिक यहां आकर आबाद होने लग गए। एक दो शताब्दी के बाद यहां क्रमशः तीन बाह्य कबीलों का वर्चस्व कायम रहा। इनमें बहिस्ति कबीला, फिर पठान कबीला तथा बादशाह जहांगीर के काल में कलाल कबीले का नियन्त्रण रहा। उसके बाद दिल्ली दरबार से झज्जर पर विधिवत प्रशासक नियुक्त किए जाने लगे। इस तरह झज्जर का रूतबा एक दस्तूर स्तर का बन गया जिसके अन्तर्गत चार परगने झज्जर खास, दादरी तोए, मान्डोटी तथा बेरी दुबलधन आते थे। 16वीं शताब्दी से ही दिल्ली बादशाह के वजीर को झज्जर क्षेत्र जागीर के तौर पर प्रदान किया जाने लगा था। उस प्रचलन में विभिन्न प्रशासक नियुक्त किए गए थे। इनमें आकिल खां पठान, मीर मुश्तजा खां ईरानी, नजफ कुली खां, बेगम समरू, जार्ज थामस, फरुख नगर नवाब तथा भरतपुर राजा आदि के नाम शामिल हैं।

शाही वजीर सफदरजंग द्वारा नियुक्त मुरतजा खां ईरानी ने 1750 में झज्जर में एक किला बनाया था, जिसको गढ़ी पुकारा जाता था। यह पुराने थाने वाले स्थान पर था। उसके बाद लगभग 10 वर्षों तक फरूखनगर व झज्जर पर भरतपुर शासकों ने बलात कब्जा करके खुशहाल राय व राम किशन आदि यहां के प्रशासक नियुक्त किए थे। आश्चर्यजनक रूप से झज्जर पर वर्ष 1790 में दो सिखी साहब सिंह व मन्झा सिंह ने भी अधिकार कर लिया था। फिर 1794 से मराठों ने झज्जर को जार्ज थामस को प्रदान कर दिया, जिसने जहाजगढ़ में एक किला बनाया तथा हिसार तक के क्षेत्र पर कब्जा करके स्वतन्त्र राज्य ही बना लिया था। दिल्ली पर 1803 से अंग्रेजों का आधिपत्य होने पर उन्होंने झज्जर को एक विशाल रियासत बना दिया। इसका क्षेत्र नारनौल, महेन्द्रगढ़, दादरी व बावल तक था।

झज्जर के अंतिम नवाब द्वारा छुछकवास में बनवाया गया महल, जहां से अंग्रेजों ने उसको 1857 में बंदी बनाया था, यहां शिलालेख आज भी विद्यमान है। अंतिम नवाब द्वारा निर्मित झज्जर में स्थित महल।

निजाबत अली खां बना पहला नवाब

निजाबत अली खां झज्जर का प्रथम नवाब बनाया गया। लेकिन 54 वर्षों बाद 1858 में झज्जर रियासत को अंग्रेजों ने ही समाप्त कर दिया था। तब तक फैज अली खां, फैज मोहम्मद खां और अब्दुर रहमान खां आदि झज्जर के नवाब रहे थे। यद्यपि अन्तिम नवाब ने 1857 में अंग्रेजों से कोई प्रत्यक्ष युद्ध नहीं किया था लेकिन उसने दिल्ली से भागकर आए अंग्रेज मैटकाफ को शरण भी नहीं दी थी। इसका खामियाजा उसको फांसी के तौर पर भुगतना पड़ा। झज्जर के सम्पूर्ण इतिहास का उल्लेख गुलाम नबी द्वारा 1860 में लिखी गई पुस्तक में भी उर्दू भाषा में उपलब्ध है।

खाकी के कैनवास पर कला के अक्स बुन रहे एसीपी राजेन्द्र सिंह

प्रतिभा **गुलशन वर्मा**

पुलिस... मतलब कड़क अंदाज, कठोर कार्यशैली, कड़ा अनुशासन। चौबीसों घंटे केस, कोर्ट-कचहरी, कानून, कायदा, कार्रवाई, कैदी, एनकाउंटर, लाठीचार्ज, हथकड़ी, जमानत, मुजरिम एफआईआर आदि आदि। ऐसा मान लिया जाता है कि पुलिस कर्मचारी या अधिकारी का जीवन भावशून्य व संवेदनाविहीन हो जाता है। खाकीधारियों की भीड़ में कुछ ऐसी शख्सियतें भी हैं जो कठोर प्रतिबद्धता के साथ कर्तव्य पालन में आदर्श बन कर खड़े हैं पर साथ ही व्यस्त दिनचर्या में से कुछ पल निकाल कर यह साबित कर रहे हैं कि खाकी सिर्फ कठोरता का पर्याय नहीं। कला, संस्कृति, काव्य, तूलिका भी उनके जीवन में अहम स्थान रखते हैं। यह शख्सियत हैं तूलिका के मास्टर और कविता के फनकार राजेन्द्र सिंह 'कलकल'।

दिल्ली पुलिस में असिस्टेंट पुलिस कमिश्नर यानी एसीपी (पीएचक्यू) राजेन्द्र सिंह को राष्ट्रीय कवि सम्मेलनों में कविता से श्रोताओं को उल्लासित, रोमांचित व भावविभोर करते देखा जा सकता है। देखते ही देखते वह साथ या सामने बैठे व्यक्ति का ऐसा सजीव कैरीकेचर बना देंगे कि आप दंग रह जाएंगे। एक 'शार्प' कार्टूनिस्ट के तौर पर 'कलकल' को अंतरराष्ट्रीय ख्याति मिली है। उनके कद्रदानों में ब्रिटेन के तत्कालीन प्रधानमंत्री बोरिस जानसन भी हैं जिन्होंने अपना कार्टून देख कर 10, डाउनिंग स्ट्रीट (सन् 1735 से लंदन में ब्रिटिश प्रधानमंत्रियों का निवास स्थान) से 'कलकल' को प्रशंसा का पत्र भेजा। भारत के पूर्व राष्ट्रपति और देश के मिसाइल मिशन के सूत्रधार एपीजे अब्दुल कलाम को जब राजेन्द्र 'कलकल' ने उनका कैरीकेचर दिया तो वे इतने प्रभावित हुए कि उस पर लिख दिया, 'वैरी गुड कार्टून'। पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी, पूर्व पीएम मनमोहन सिंह, कांग्रेस की पूर्व अध्यक्ष सोनिया गांधी, वरिष्ठ भाजपा नेता लालकृष्ण आडवाणी, सदी के मेगास्टार अमिताभ बच्चन, क्रिकेटर कपिल देव और तिब्बती आध्यात्मिक नेता दलाई लामा भी उनके प्रशंसकों में शामिल हैं। 'कलकल' के बनाए कार्टून पर इन सभी ने हस्ताक्षर किए हैं व कमेंट लिखे हैं। राजेन्द्र 'कलकल' के बनाए कार्टून/ कैरीकेचर की सूची काफी लंबी है। दिल्ली पुलिस के इतिहास पर किए गए शोध, साहित्यिक प्रतिभा, अध्यात्मवाद और व्यवहारवाद आदि को देख कर सहज रूप से उनकी 'वर्सेटाइल पर्सनैलिटी' का अहसास हो जाता है। हरियाणा के भिवानी जिले के मूल निवासी राजेंद्र सिंह 'कलकल' की बहुमुखी प्रतिभा पर अभी तक हरियाणा साहित्य अकादमी या केंद्र सरकार की साहित्य, कला, शिक्षा, सामाजिक एजेंसियों की नजर न पड़ना आश्चर्यजनक है।

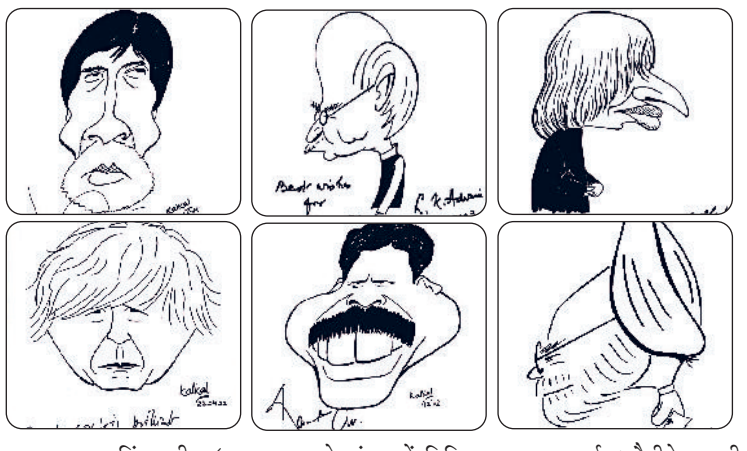

एसीपी राजेन्द्र सिंह 'कलकल' दिल्ली पुलिस के संग्रहालय के सूत्रधार और अनुसंधानकर्ता भी हैं। किंग्स्वे कैंप स्थित यह संग्रहालय कई मायनों में अद्भुत है। 'हिस्ट्री एंड हेरिटेज बुक आफ दिल्ली' में राजेंद्र 'कलकल' का अहम योगदान है। दिल्ली पुलिस की पहली कॉफी टेबल बुक इन्हीं के शोध पर आधारित थी। आजादी से पहले की पुलिस यूनिफॉर्म, बंदूक, टोपी, पुलिस थानों की पहचान, फोटो, जुर्माना, पहली एफआईआर, इंस्पेक्शन बुक, पहला वायरलैस सेट जैसी अनेक रोचक और खोजपरक जानकारी इस संग्रहालय में मौजूद है। दिल्ली पुलिस की वेबसाइट 'कलकल' के कार्टूनों से भरी है। हर कार्टून इतना परफेक्ट कि आप देखते रह जाएंगे। दिल्ली पुलिस की पत्रिकाओं, कैलेंडर में उनके कार्टून छप चुके हैं। 'कलकल' जाने माने कवि भी हैं। उनकी कविताओं व साहित्य रचनाओं में जीवन के कठोर, चुटीले व रोचक किस्सों व प्रेरणादायक वृतांत का समावेश होता है। वह सामाजिक बंधनों की परंपरा को कायम रखने में भी सबसे आगे हैं। वह उपदेशक (मोटिवेशनल स्पीकर) की भूमिका भी निभा रहे हैं जिसमें वह अपने संदेशों में जीवन के प्रति आशावाद और उत्साह का संचार करते हैं। वह बाकायदा मोटिवेशनल क्लास भी लगाते हैं जिसमें दैनिक जीवन के तनावों से मुक्ति पाने के टिप्स दिए जाते हैं। ये टिप्स गीता की शिक्षा पर आधारित होते हैं। इन क्लासों में बढ़ती भीड़ इनकी निरंतर बढ़ती लोकप्रियता को स्वयं साबित करती है। इनके टिप्स बच्चे, युवा, प्रौढ़, बुजुर्ग सभी के लिए होते हैं।

दुनिया कायल है 'कलकल' की

राजेन्द्र सिंह के कद्रदानों में अटल बिहारी वाजपेयी, मनमोहन सिंह, अमिताभ बच्चन भी शामिल रहे हैं। अपना कैरीकेचर देख 'मिसाइलमैन' ने लिखा, 'वैरी गुड कार्टून', वहीं ब्रिटिश पीएम बोरिस जानसन ने लैटर भेज कर धन्यवाद किया।

खबर संक्षेप

ऑनलाइन गेमिंग व ट्रेडिंग के जाल में फंस रहे लोग

फतेहाबाद। पुलिस अधीक्षक सिद्धांत जैन ने आमजन को साइबर अपराधियों द्वारा किए जा रहे नए प्रकार के धोखाधड़ी प्रयासों को लेकर सतर्क किया है। उन्होंने बताया कि साइबर ठग इन दिनों फर्जी शेयर ट्रेडिंग और गेमिंग ऐप्स के माध्यम से भोले-भाले लोगों को झांसे में लेकर उनकी मेहनत की कमाई हड़प रहे हैं। इस संबंध में एक साइबर एडवाइजरी जारी करते हुए उन्होंने आमजन से सतर्क और जागरूक रहने की अपील की है। एसपी ने बताया कि अपराधी सोशल मीडिया ग्रुप्स के माध्यम से लोगों को इन फर्जी ऐप्स या वेबसाइट्स पर गेम खेलने या निवेश करने के लिए प्रेरित करते हैं। शुरुआत में इन ऐप्स पर उपयोगकर्ताओं को जीत दिलाकर और कुछ राशि वापिस करके उनका भरोसा जीता जाता है।

जिला में चार स्थानों से बाइक चोरी, केस दर्ज

सिरसा। जिला में अलग-अलग चार स्थानों से चोर चार बाइक चोरी कर ले गए। पहले मामले में थेहड़ मोहल्ला निवासी सुमित कंडारा ने बताया कि वह बीती 27 जून को जिला नागरिक अस्पताल में काम से गया था। बाइक खड़ी कर वह काम से चला गया। कुछ देर बाद आया तो बाइक गायब मिली। दूसरे मामले में गांव भगत सिंह कॉलोनी निवासी मलकीत सिंह ने बताया कि बीती रात्रि को उसने बाइक अपने घर के बाहर खड़ी की थी। सुबह संभाली तो बाइक गायब मिली। तीसरे मामले में जोगिंद्र सिंह ने बताया कि वह गुरुद्वारे में गया था। उसने बाहर बाइक खड़ी कर की वापिस आया तो बाइक गायब मिली। चौथे मामले में आकाश ने बताया कि बीती 28 जून को उसने रानियां नगर पालिका में अपनी बाइक खड़ी की थी जो चोरी हो गई।

बंद पड़े मकान से नकदी व आभूषण चोरी

ऐलनाबाद। गांव मिठीसुरेरां में चोर एक बंद मकान से 5 हजार रुपए की नगदी सहित आभूषण चोरी कर ले गए। पुलिस को दिए बयानों में मांगेराम ने बताया कि उसका परिवार मजदूरी करता है। बीती 27 जून की सुबह परिवार के लोग घर के कमरों व मेन गेट को ताला लगाकर मजदूरी के लिए चले गए। बाद दोपहर चोरों ने घर में घुसकर अलमारी के ताले तोड़कर 5 हजार रुपए की नगदी, 10 तोले चांदी की पाजेब, 3 चांदी के कड़े, एक नोजपिन सोने की व एक सोने का नाक में डालने वाला कोका तथा एक गले में डालने वाला चांदी का ओम, चांदी की 2 जोड़ी बिछिया चुरा लिए। शाम को जब वे घर आए तो घटना का पता चला। अंदर जाकर देखा तो कमरे में सामान बिखरा पड़ा था। सामान संभाला तो उपरोक्त सामान गायब था।

मकान में घुसकर नकदी और आभूषण चोरी

चोपटा। चोपटा थाना क्षेत्र के गांव नहराणा में चोरों ने एक मकान में घुसकर 3 लाख रुपए की नकदी व आभूषण चोरी कर लिए।
पुलिस को दी शिकायत में मकान मालिक रवि ने बताया कि बीती 28 जून को वह और उसकी माता गांव के किसी अन्य व्यक्ति के पास किसी काम से चले गए। उसका भाई गांव के सीएससी सेंटर पर चला गया। उसके पिता घर की बैठक में सो रहे थे। इसी का फायदा उठाकर चोरों ने घर में घुसकर अलमारी से 3 लाख रुपए की नकदी, एक जोड़ी सोने के टोपस, एक सोने का लोकेट, एक चांदी का कड़ा, एक जोड़ी चांदी की पाजेब व दूसरे कमरे की अलमारी में से एक विवो कंपनी का मोबाइल चोरी कर लिया। जब कुछ देर बाद वे घर आए तो घटना का पता चला।

रतिया की गीता कालोनी से मोटरसाइकिल चोरी

फतेहाबाद। जिले में सक्रिय वाहन चोर गिरोह ने रतिया शहर से एक मोटरसाइकिल चोरी कर लिया। इस बारे रतिया पुलिस को शिकायत दर्ज करवाई गई है। पुलिस को दी शिकायत में वार्ड नं. 11, गीता कालोनी रतिया निवासी भूषण कुमार ने कहा है कि गत दिवस उसने अपने मोटरसाइकिल को घर के बाहर खड़ा किया और अंदर चला गया। कुछ देर बाद जब वह वापस बाहर आया बाइक गायब थी।

किसानों के खेतों में वन विभाग अपने खर्च पर लगाएगा 5 लाख सफेदे के पेड़

- मानसूनी सीजन में सड़क व नहर किनारे एक लाख, वन क्षेत्र में 10 लाख पौधे लगाने का लक्ष्य

सुरेन्द्र असीजा ▶▶| फतेहाबाद

इस बार मानसून सीजन में वन विभाग द्वारा एक विशेष योजना शुरू की गई है। इस योजना के तहत जिले में वन विभाग किसानों के खेतों में 5 लाख सफेदा क्लोन मुहैया करवाएगा। विभाग द्वारा यह सफेदे किसानों के खेत में अपने खर्चे पर ले जाकर निःशुल्क लगाए जाएंगे। इसके लिए किसानों से किसी प्रकार का कोई शुल्क नहीं लिया जाएगा। इसके अलावा जिले के 15 हजार वन क्षेत्र में भी 10 लाख पौधे लगाए जाएंगे वहीं जिले की सड़कों व नहरों के किनारों पर भी एक लाख पेड़ लगाने का लक्ष्य रखा गया है। यानि की इस बार वन विभाग मानसूनी सीजन में 16 लाख पेड़ लगाएगा। मानसून की बरसात शुरू होते ही वन विभाग जिले को हरा भरा करने और वन क्षेत्र को बढ़ाने के लिए एक्टिव हो गया है। इसी के तहत वन विभाग के पास एक योजना आई है, जिसमें वह जिले के किसानों को 5 लाख सफेदे के क्लोन देगा। यह सफेदे के पौधे वन विभाग अपने साधन पर ले जाकर किसानों के खेतों में पौधारोपण करेगा। इसका लेबर व अन्य खर्च भी वन विभाग ही वहन करेगा। इतना ही नहीं, वन विभाग ने जिले में 15 हजार एकड़ में फैले वन क्षेत्र में भी 10 लाख पौधे लगाने का लक्ष्य रखा है। इसके लिए सरकारी भवन, स्कूल, सामुदायिक चौपाले भी शामिल हैं। वन विभाग ने सरकारी जगहों पर 50 हजार पौधे लगाने का लक्ष्य पूरा भी कर लिया है जबकि किसानों के खेतों में 3 लाख पौधे लगवाए जा चुके हैं।

वन क्षेत्र बढ़ने से कम होगा प्रदूषण

वन विभाग ने जिले में पौधारोपण के लिए 'एक पेड़ मां के नाम' अभियान को शामिल किया है। जिले में पौधारोपण को जनआंदोलन बनाने के लिए समाजसेवी संस्थाओं व सामाजिक संगठनों को शामिल किया जा रहा है। वन क्षेत्र बढने से जहां वायु प्रदूषण तो कम होगा ही वहीं भूजल स्तर में भी सुधार होगा। प्रदेश में फतेहाबाद सबसे कम वन क्षेत्र वाला जिला है। वन विभाग ने नहर किनारे, सडक किनारे व खाली पड़ी सरकारी भूमि पर पेड़ लगाने के लिए अलग-अलग लक्ष्य तय किए हैं। जिले की सभी सामाजिक संस्थाओं को भी पौधारोपण अभियान में भाग लेना चाहिए। जुलाई व अगस्त माह में वन विभाग से फ्री पौधे लेकर सार्वजनिक स्थानों पर लगाए जा सकते हैं। इसके लिए वन विभाग कोई चार्ज नहीं करेगा।
-राजेश कुमार, जिला वन अधिकारी फतेहाबाद

फतेहाबाद। एमएम कॉलेज में पौधारोपण करते प्रिंसीपल।

सफेदे से बनती है प्लाई

जिले में इस वर्ष मानसूनी सीजन के दौरान पौधारोपण के लिए विशेष योजना आई है। इसमें किसानों के खेतों में 5 लाख सफेदे के क्लोन लगाए जाने हैं। इसमें से विभाग द्वारा अब तक 3 लाख सफेदे क्लोन लगा दिए गए हैं। यह योजना किसानों को आर्थिक रूप से लाभ पहुंचाने के साथ-साथ जिले में वन क्षेत्र को बढ़ावा देने में भी मददगार साबित होगी। वन विभाग के सूत्रों के अनुसार सफेदे के पौधे बड़े तेजी से बढ़ते हैं। मात्र 5 वर्ष में ही सफेदे का पेड़ पककर तैयार हो जाता है। सफेदे की लकड़ी से कागज व प्लाई बनाई जाती है। प्लाईवुड उद्योग में सफेदे की लकड़ी की भरपूर मांग रहती है।

गांववासी नशे से जुड़ी कोई जानकारी देंगे तो तस्करों पर होगी कड़ी कार्रवाई

नशे के खिलाफ सड़कों पर उतरे बाजेकां गांव के महिला व पुरुष

- पुलिस को दिया 7 दिन का अल्टीमेटम
- सिरसा मार्ग पर लगाया आधा घंटा जाम
- नारेबाजी कर पुलिस प्रशासन के खिलाफ जताई नाराजगी

हरिभूमि न्यूज ▶▶| सिरसा

नशे के बढ़ते प्रभाव को लेकर बाजेकां गांव के ग्रामीणों ने रविवार को पुलिस प्रशासन के खिलाफ मोर्चा खोल दिया। इस दौरान आक्रोशित ग्रामीण गांव से सिरसा शहर की ओर जाते सड़क मार्ग के बीचोंबीच बैठ गए और करीब आधे घंटे तक धरना प्रदर्शन किया। खास बात यह रही कि प्रदर्शन व पैदल मार्च में गांव की महिलाओं ने भी बढ़ चढ़ कर भाग लिया और नशे पर रोकथाम की मांग की। ग्रामीणों ने इस दौरान पुलिस प्रशासन पर जानबूझ कार्रवाई न करने का आरोप लगाते हुए नारेबाजी की। वहीं प्रदर्शनकारियों ने पुलिस प्रशासन को एक सप्ताह का अल्टीमेटम देते हुए कहा कि यदि पुलिस ने नशा तस्करों पर कार्रवाई नहीं की तो वे बड़ा आंदोलन करने को मजबूर होंगे, जिसमें आस-पास के गांवों का भी सहयोग लिया जाएगा। उधर प्रदर्शन की भनक लगते ही सदर पुलिस थाना के एसएचओ सुखदेव सिंह घटनास्थल पर पहुंचे। लेकिन ग्रामीणों ने आधे घंटे के शांतिपूर्वक धरने के बाद सड़क मार्ग खोल दिया। बाजेकां निवासी एवं सरपंच प्रतिनिधि राजेंद्र सिंह कंग, मोहन लाल, हरिश्याम, भगवान दास, भजन लाल, राजेंद्र सिंह, गुरदित्ता सिंह, लाल चंद, रमेश कुमार, गुरनाम चंद सहित काफी संख्या में धरना स्थल पर पहुंचे। ग्रामीणों ने बताया कि गांव में मेडिकल नशे के साथ-साथ चिट्टा व शराब का प्रकोप दिनोंदिन बढ़ता जा रहा है। बेशक पुलिस प्रशासन ने काफी समय पहले गांव में नशे की रोकथाम के लिए कैंप भी लगाया था, लेकिन वर्तमान समय में नशे का प्रकोप बहुत बढ़ गया है। ग्रामीणों ने आरोप लगाया कि पुलिस प्रशासन इस मामले में सहयोग नहीं कर रहा।

सिरसा। नशे के विरोध में सडक़ पर जाम लगाते व जाम में फंसे वाहनों का दृश्य तथा पैदल मार्च निकालते ग्रामीण। फोटो : हरिभूमि

नशे छोड़ने के इच्छुक को मिलेगी चिकित्सा सुविधा

सदर थाना सिरसा प्रभारी सुखदेव सिंह ने कहा कि गांव के मुख्य लोगों से हमने ऐसे लड़कों की लिस्ट मांगी है जो नशा तस्करी या सप्लाई करने का कार्य करते हैं, लेकिन अभी तक हमें ऐसी कोई जानकारी उपलब्ध नहीं करवाई गई है। यदि गांववासी नशे से जुड़ी कोई जानकारी देंगे तो पुलिस प्रशासन नशा तस्करों पर कड़ी कार्रवाई करेगा। वहीं जो लोग नशे की चपेट में आ चुके हैं और नशा छोड़ना चाहते हैं तो उनको प्रशासन की ओर से चिकित्सा सुविधा भी उपलब्ध करवाई जाएगी।

आधा घंटा किया रोड जाम, की नारेबाजी

प्रदर्शनकारी ग्रामीणों ने करीब साढ़े दस बजे से लेकर 11 बजे तक बाजेकां-सिरसा मार्ग पर धरना लगाते हुए रोड जाम किया। इस दौरान ग्रामीणों ने जमकर नारेबाजी की और पुलिस प्रशासन के खिलाफ नाराजगी भी जताई। वहीं जाम के चलते सडक के दोनों ओर वाहनों की लंबी कतार लग गई। जाम में फंसे लोग गर्मी से बेहाल नजर आए।

शराब अहाते पर पहुंचे प्रदर्शनकारी तो फुर्र हुआ ठेकेदार

प्रदर्शनकारियों को आरोप था कि गांव में सरकार की ओर से एक ठेका मंजूरशुदा है, लेकिन ठेकेदार ने गांव में दो शराब ठेके खोल रखे हैं। इस विषय को लेकर कई बार ठेकेदार से बात हुई, लेकिन वह दूसरा ठेका हटाने को तैयार नहीं है। ग्रामीणों ने बताया कि शाहपुर बेगू रोड पर खुला शराब ठेका बिल्कुल गांव में है, जिसके चलते गांव के बच्चों व युवाओं पर बुरा असर पड़ रहा है। वहीं उस रास्ते से महिलाओं का गुजरना भी दुभर हो जाता है। प्रदर्शन के दौरान पैदल मार्च निकालते हुए ग्रामीण जब ठेके पर पहुंचे तो उससे पहले ही ठेकेदार आनन-फानन में ठेके को ताला लगाकर वहां से फरार हो गया।

घरों के बर्तन बेच रहे नशेड़ी युवा

गांव बाजेकां में स्क्रेप का कार्य करने वाले भजन लाल ने बताया कि गांव में कई लडक़े ऐसे हैं जो नशे के लिए अपने घरों से बर्तन तक बेच रहे हैं। ऐसे लडक़ों के परिवारों को भी मैंने अपने स्तर पर सूचित किया है। दो दिन पहले एक युवक अपने घर से पीतल की नई टोकनी लेकर मेरे पास आया और बोलो कि मेरे को पांच सौ रुपए दे दो। भजन लाल ने पुलिस प्रशासन से अपील करते हुए कहा कि पुलिस यदि सख्ती से पेश आए तो गांव को इस बुराई से छुटकारा मिल सकता है।

50 युवाओं की बनाई कमेटी

प्रदर्शन के पश्चात ग्रामीण गांव के पंचायत घर में एकत्रित हुए और नशे की रोकथाम के लिए 50 सदस्यों की एक कमेटी बनाई। कमेटी सदस्य गांव की फिरनियों और 4-4 सदस्य प्रत्येक वार्ड व गलियों में पहरा देंगे। इस दौरान अगर कोई नशा तस्कर पकड़ा जाता है तो उसके खिलाफ कार्रवाई की जाएगी।

नशे की ओवरडोज से दो युवकों की हो चुकी है मौत

सरपंच प्रतिनिधि राजेंद्र सिंह कंग ने बताया कि गांव में नशे की ओवरडोज लगाने के चलते दो युवकों की मौत हो चुकी है। इनमें से एक युवक तो विधवा मां का इकलौता बेटा था। गांव में मेडिकल नशा पूरे पांव पसार चुका है। नशीली दवाओं की घर-घर सप्लाई दी जा रही है। उन्होंने बताया कि अब नशे का यह खेल ज्यादा नहीं चलेगा, क्योंकि गांववासी जाग चुके हैं और जल्द इस समस्या को खत्म किया जाएगा।

भक्ति किसी उम्र की मोहताज नहीं

हरिभूमि न्यूज ▶▶| डबवाली

सतगुरु माता सुदीक्षा महाराज व निरंकारी राजपिता की असीम अनुकंपा से बच्चों के भविष्य को आकार देने और उन्हें आध्यात्मिकता व नैतिकता से जोडऩे के उद्देश्य से रविवार को मंडी डबवाली के चौटाला रोड स्थित संत निरंकारी सत्संग भवन में जोन स्तरीय बाल समागम का सफल आयोजन किया गया। इस सत्संग कार्यक्रम की अध्यक्षता मेरठ से पधारे संत निरंकारी मिशन के प्रचारक आशीष गौतम ने की।

आशीष गौतम ने अपने विचारों में कहा कि जो बच्चे आज अपने माता-पिता की उंगली पकडक़र सत्संग में जाते हैं और प्रभु की भक्ति में जुड़ जाते हैं, वो बड़े होकर जहां अपने जीवन में सुख प्राप्त करते हैं, वही अपने माता-पिता का बुढ़ापे का सहारा भी बनते हैं। जो बच्चे आज माता-पिता की उंगली पकड़ कर आते हैं वो कल अपने माता-पिता की उंगली पकड़ कर उनको सत्संग में लाया करेंगे। उन्होंने कहा कि सत्संग में आने से बच्चों का जहां आध्यात्मिक विकास होता है, वहीं वो नैतिक रूप से भी विकसित होते हैं। उन्होंने सभी बच्चों से कहा कि आज जो भी उन्होंने सीखा है, उसको जीवन जरूर धारण करें।

इग्नू में री रजिस्ट्रेशन करने की अंतिम तिथि 30 जून

सिरसा। इग्नू स्टडी सेंटर 1085 राजकीय महिला महाविद्यालय सिरसा के कोऑर्डिनेटर डॉ. विक्रमजीत सिंह ने बताया कि जिन विद्यार्थियों ने सत्र जुलाई 2024 में इग्नू में दाखिला लिया था और जिन्होंने अभी तक अगली कक्षा के लिए अपना री रजिस्ट्रेशन नहीं करवाया वे विद्यार्थी कल सोमवार 30 जून 2025 तक अपना री रजिस्ट्रेशन करवा सकते हैं। डॉ. विक्रमजीत सिंह ने बताया कि इंदिरा गांधी नेशनल ओपन यूनिवर्सिटी ने जुलाई 2025 में दाखिले की तिथि 15 जुलाई 2025 तक है। जो छात्र छात्राएं इग्नू विश्वविद्यालय से स्नातक व स्नातकोत्तर में पढ़ाई करना चाहते हैं और जो नियमित महाविद्यालय में दाखिला नहीं ले सकते, वे अब बिना देरी के इग्नु स्टडी सेंटर राजकीय महिला महाविद्यालय सिरसा कोड नंबर 1085 में स्नातक व स्नातकोतर में जुलाई 2025 सत्र के लिए प्रवेश ले सकते हैं। इग्नु अध्ययन केंद्र 1085 सिरसा में डीईसीई, बीकॉम, बीए, एमए इतिहास व एमए हिंदी कोर्स संचालित हैं। वहीं इग्नू स्टडी सेंटर 1085 के असिस्टेंट कोऑर्डिनेटर डॉ. सतपाल व सहायक ललित कुमार ने बताया कि जो विद्यार्थी अपनी आगे अपनी पढ़ाई जारी रखना चाहते हैं, वे इग्नू की आधिकारिक वेबसाइट पर जाकर ऑनलाइन आवेदन करके एडमिशन ले सकते हैं। उन्होंने बताया कि अनुसूचित जाति और जनजाति के विद्यार्थियों की फीस पूरी तरह से माफ है, जिनकी सालाना आय 2.50 लाख से कम है।

पटवारी पर हमले करने का आरोपी बुजुर्ग गिरफ्तार

फतेहाबाद। पटवारी के कार्यालय में घुसकर उस पर हमला करने के मामले में कार्रवाई करते हुए जाखल पुलिस ने आरोपी बुजुर्ग को गिरफ्तार कर लिया है। पकड़े गए व्यक्ति की पहचान लाल सिंह पुत्र आत्माराम निवासी जाखल के रूप में हुई है। पुलिस ने उसके पास से हमले में प्रयोग किए गए डंडे को बरामद कर लिया है। थाना जाखल प्रभारी ने बताया कि इस बारे पुलिस ने 27 जून को हलका पटवारी कृष्ण कुमार निवासी धारसूल कलां की शिकायत पर केस दर्ज किया था। शिकायतकर्ता के अनुसार 27 जून को सुबह करीब 10 बजे वह अपने कार्यालय में मौजूद था तो उसी समय लाल सिंह अपनी जमीन की फर्द उससे सत्यापित करवाने के लिए आया। उसने फर्द को सत्यापित करके उसी समय लाल सिंह को दी दी थी। कुछ देर बाद लाल सिंह उसके कार्यालय में आया और धमकी दी कि वह उसे सबक सिखाता है। बाद में लाल सिंह हाथ में डंडा लेकर आया और जान से मारने की नीयत से उसके सिर में मारने की कोशिश की लेकिन उसने अपने हाथ सिर पर रख लिए जिससे डंडा उसके हाथों में लगा। उसके शोर मचाने पर कार्यालय के अन्य सदस्य मौजूद पर आए और उसे छुड़वाया। बाद में लाल सिंह उसे जान से मारने की धमकी देते हुए मौके से चला गया। घायल पटवारी को उपचार के लिए जाखल के सरकारी अस्पताल में भर्ती करवाया।

शिविर में 45 से अधिक की हुई स्वास्थ्य जांच

सिरसा। आयुष विभाग व दिव्य योग संस्थान मंदिर समिति के संयुक्त तत्वावधान में एक दिवसीय निःशुल्क आयुर्वेदिक चिकित्सा एवं नाड़ी परीक्षण शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में डॉ. दीपिका शर्मा, डॉ गौरव ने 45 से अधिक नागरिकों की नाड़ी जांच कर विभिन्न रोगों के लिए परामर्श व आयुर्वेदिक औषधियां प्रदान की। इस शिविर में चिकित्सकों ने पेट विकार, त्वचा संबंधी समस्याएं, जोड़ों का दर्द, मधुमेह, रक्तचाप एवं अन्य पुरानी बीमारियों से पीड़ितों की जांच की। साथ ही योग, ध्यान और खानपान से जुड़ी उपयोगी जानकारियां भी दी।

सड़क हादसे में युवक की मौत, केस दर्ज

फतेहाबाद। अग्रोहा में दो दिन बाद दुकान ओपनिंग क तैयारियों में जुटे युवक के घर उस समय मातम फैल गया जब तैयारियों में जुटे युवक की सडक़ हादसे में मौत हो गई। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस टीम मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। इस मामले में रविवार को सदर फतेहाबाद पुलिस ने कार चालक के खिलाफ केस दर्ज कर आगामी कार्रवाई शुरू कर दी है। पुलिस को दी शिकायत में बीमा कालोनी फतेहाबाद निवासी बलविन्द्र पाल सिंह ने कहा है कि उसका लडक़ा कमलजोत सिंह ने अग्रोहा मोड पर फास्ट फूड का काम शुरू करना था। इसको लेकर गत दिवस कमलजोत स्कूटी पर सवार होकर अग्रोहा जा रहा था जबकि वह एक लोडिंग टैम्पू में सामान लेकर उसके पीछे जा रहा था। एक जुलाई को फास्ट फूड की दुकान की ओपनिंग करनी थी। जब वह अग्रोहा मोड पर दुकान का सामान छोडक़र वापस फतेहाबाद आ रहे थे तो बड़ोपल गांव के समीप एक कार चालक ने कार को लापरवाही व तेजगति से चलाते हुए उसके लडक़े कमलजोत सिंह की स्कूटी में टक्कर दे मारी जिससे वह सडक़ पर जा गिरा और उसे काफी चोटें आई। हादसे के बाद कार चालक मौके से फरार हो गया।

न्यूज डायरी

युवक पर हमले के मामले में एक आरोपी गिरफ्तार

फतेहाबाद। युवक पर हमला कर नकदी व चांदी की चेन छीनने के मामले में रतिया पुलिस ने एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार आरोपी की पहचान दीपू जाट पुत्र राजन सिंह निवासी नन्हेड़ी के रूप में हुई है। आरोपी को अदालत में पेश किया गया, जहां से उसे न्यायिक हिरासत में हिसार जेल भेज दिया गया है। थाना शहर रतिया प्रभारी रणजीत सिंह ने बताया कि 18 जनवरी को कमल कुमार पुत्र सतबीर सिंह निवासी भरपूर की शिकायत पर मामला दर्ज किया गया था। शिकायतकर्ता ने बताया कि वह किसी कानूनी कार्य से कोर्ट परिसर में वकील के पास आया हुआ था। उसी दौरान एक स्कॉर्पियो गाड़ी में आए जसपाल सिंह उर्फ चिम्मो, दीपू जाट, पपली सुखमनपुर, रविन्द्र सिंह उर्फ गिन्नू लाली तथा मोटरसाइकिल पर आए बबलू उर्फ पोपल, काली रतिया और लवप्रीत खोखर ने मिलकर गैंग बनाकर उस पर हमला किया।

हत्या के प्रयास मामले में वांछित आरोपी काबू

डबवाली। सदर थाना डबवाली पुलिस ने रास्ता रोककर हत्या का प्रयास करने के मामले में वांछित आरोपी गुरप्रीत सिंह उर्फ लाडी पुत्र प्रीतम पाल उर्फ पाल निवासी नौरंग को काबू किया है। सदर थाना डबवाली प्रभारी उप. निरीक्षक सुरेंद्र कुमार ने बताया कि 09.06.2025 को जगदीप सिंह पुत्र उत्तम सिंह निवासी तिगड़ी के बयान पर आरोपियों द्वारा उसे मिलने के बहाने बुलाकर उसका रास्ता रोककर हत्या का प्रयास करने पर मामला दर्ज किया गया।

गेहूं चोरी के चार आरोपी गिरफ्तार

कालांवाली। सीआईए कालांवाली व साइबर सेल ने गेहूं चोरी के मामले में चार आरोपियों को काबू किया है। आरोपियों की पहचान मक्खन सिंह पुत्र रणधीर सिंह निवासी रामपुरा फुल जिला बठिंडा पंजाब, रामकृष्ण पुत्र सुरजीत सिंह निवासी वार्ड नंब 03 तलवंडी साबो हाल मोड मंडी मिश्रा कॉलोनी जिला बठिंडा पंजाब, सोनू कुमार पुत्र सुरेश कुमार व सुनील कुमार पुत्र सुरेश कुमार निवासी छतरगढ़ जिला बीकानेर राजस्थान के रूप में हुई है।सीआईए कालांवाली प्रभारी उप निरीक्षक सुरेश कुमार ने बताया कि 10.06.2025 को नरेश कुमार पुत्र विजय कुमार निवासी माडल टाऊन कालांवाली की शिकायत पर अज्ञात व्यक्तियों द्वारा 6/7 जून की रात को कालांवाली से तारूआना रोड पर स्थित स्टार वर्धक एग्री सीड्स से 60 गट्टे गेहूं चोरी कर लिए जाने पर थाना कालांवाली में मामला दर्ज कर जांच शुरू की गई थी।

हत्या के पुराने मामले में मुख्य आरोपी गिरफ्तार

सिरसा। थाना शहर सिरसा पुलिस ने वर्ष 2009 में हुए हत्या के एक पुराने मामले का पर्दाफाश करते हुए मुख्य आरोपी रामुदित भारती पुत्र विफन भईया निवासी जिला गया (बिहार) को गिरफ्तार कर लिया है। अभियोग नंबर 635 दिनांक 24.10.2009 धारा 302/34 आई.पी. सी. थाना शहर सिरसा बलविंद्र कुमार पुत्र नसीब चंद निवासी रतेवाल थाना काठगढ जिला नवाशहर पंजाब की शिकायत पर दर्ज हुआ था। आरोपी को 28.06.2025 को गिरफ्तार किया गया व पुलिस हिरासत प्राप्त की गई। अनुसंधान प्रारंभिक पूछताछ के दौरान आरोपी ने पुलिस के समक्ष स्वीकार किया कि वर्ष 2009 में उसने शारदा काटन फैक्ट्री, दिल्ली पुलिया के पास स्थित किराए के कमरे में अनमोल उर्फ आनंद की ईंट मारकर हत्या की थी।

बाइक सवार से नकदी छीनने के दो आरोपी काबू

रतिया। रतिया क्षेत्र में मोटरसाइकिल सवार युवक को कापा दिखाकर नकदी छीनने के मामले में कार्रवाई करते हुए पुलिस टीम ने दो आरोपियों को तत्परता से गिरफ्तार किया है। पूछताछ के दौरान दोनों आरोपियों ने तीन अन्य वारदातों को अंजाम देने की बात स्वीकार की है। डीएसपी रतिया नर सिंह ने बताया कि 28 जून को शाम करीब 4 बजे, शिकायतकर्ता अपनी मोटरसाइकिल पर गांव चिम्मो से रतिया जा रहा था। रास्ते में तीन युवकों ने उसे रोककर धारदार हथियार कापा दिखाया, डराया-धमकाया और उसकी जेब से नकदी छीनकर मौके से फरार हो गए। शिकायत मिलते ही थाना सदर रतिया पुलिस टीम ने त्वरित कार्रवाई करते हुए सीसीटीवी फुटेज और गुप्त सूचना के आधार पर दो संदिग्ध युवकों को हिरासत में लिया।

युवक गुगल पे करने के बहाने 5 हजार लेकर फरार

सिरसा। शहर के जगदेव सिंह चौक के निकट एक मोबाइल की दुकान के संचालक से एक शातिर युवक 5 हजार रुपए की नकदी लेकर गुगल पे करने के बहाने लेकर चंपत हो गया। पुलिस को दी शिकायत एमसी कॉलोनी स्थित भारत सैनिक स्कूल निवासी रवि कुमार ने बताया कि उसकी जगदेव चौक के निकट फोन सिटी के नाम से दुकान है। उसने बताया कि बीती 27 जून की रात्रि को एक युवक दुकान पर आया और उससे 5 हजार रुपए नकद मांगे और गुगल पे करने की बात कही। उसने युवक को 5 हजार रुपए नकद दे दिए। युवक ने पेमेंट का एक स्क्रीन शॉट उसे दिखाया और नकदी लेकर चला गया। ग्राहकों से फ्री होने के बाद उसने पेमेंट चैक की तो राशि खाते में नहीं आई थी। उसने काफी देर तक इंतजार किया, लेकिन पैसे नहीं आए। उक्त युवक द्वारा दिए गए स्क्रीन शॉट के नंबर पर संपर्क किया तो वह बंद मिला, जिस पर उसने अपने साथ हुई ठगी का पता चला। उसने अपने स्तर पर काफी तलाश की, लेकिन कोई सुराग नहीं लगा।

राज्यसभा सांसद ने ग्रामीणों के साथ सुनी 'मन की बात'

'मन की बात' कार्यक्रम आगे बढ़ने की देता प्रेरणा : बराला

हरिभूमि न्यूज ▶▶| टोहाना

राज्यसभा सांसद सुभाष बराला ने रविवार को टोहाना विधानसभा क्षेत्र के गांव भिमेवाला में ग्रामवासियों और पार्टी कार्यकर्ताओं के साथ प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा प्रसारित मासिक रेडियो कार्यक्रम 'मन की बात' के 123वें एपिसोड को सुना। राज्यसभा सांसद ने कार्यक्रम में चर्चा किए गए विषयों पर प्रकाश डालते हुए जनता से आह्वान किया कि वे प्रधानमंत्री द्वारा बताए गए संदेशों को आत्मसात करें और राष्ट्र निर्माण में सक्रिय भूमिका निभाएं। यह कार्यक्रम देशभर में सामाजिक जागरूकता, सकारात्मक बदलाव और राष्ट्र निर्माण के लिए प्रेरणा का स्रोत है।

सांसद सुभाष बराला ने कहा मन की बात' केवल एक कार्यक्रम नहीं, बल्कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा देशवासियों से सीधे संवाद का सशक्त माध्यम है। प्रधानमंत्री द्वारा समाज के अलग-अलग हिस्सों से आने वाली प्रेरक कहानियों और राष्ट्रहित में किए जा रहे कार्यों को सामने लाना, हर भारतीय को आगे बढऩे की प्रेरणा देता है। उन्होंने कहा कि अंतरराष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर पूरे विश्व में जबरदस्त ऊर्जा और उत्साह देखने को मिला। योग, जिसकी शुरुआत 10 साल पहले हुई थी, अब दुनियाभर में सशक्तिकरण का एक प्रभावशाली साधन बन चुका है। उन्होंने कहा कि देश के सशक्त नेतृत्व में जिस प्रकार पारंपरिक उत्पादों को बढ़ावा दिया जा रहा है, वह न केवल हमारी सांस्कृतिक विरासत को संरक्षित कर रहा है, बल्कि देश को आत्मनिर्भर भारत की दिशा में तेजी से आगे भी ले जा रहा है। आज देश के सशक्त नेतृत्व में महिलाएं तेजी से स्वरोजगार और विभिन्न उद्योगों से जुड़ रही हैं। वे न केवल आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर बन रही हैं, बल्कि अपने परिवार और समाज को भी नई दिशा दे रही हैं। सरकार द्वारा चलाई जा रही योजनाओं और महिलाओं के लिए बनाए गए अनुकूल वातावरण के कारण आज हमारी बहनें खेतों, कुटीर उद्योगों, स्टार्टअप्स और तकनीकी क्षेत्रों में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही हैं। यह परिवर्तन महिला सशक्तिकरण का प्रतीक है, जो नया भारत की मजबूत नींव रख रहा है।

टोहाना। ग्रामीणों के साथ मन की बात कार्यक्रम सुनते सांसद सुभाष बराला।

मन की बात विकसित भारत का संकल्प है : जोड़ा

फतेहाबाद। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के मन की बात कार्यक्रम को आज बीजेपी जिलाध्यक्ष एवोकेट प्रवीण जोड़ा के नेतृत्व में जिलेभर के सभी 708 बूथों पर उत्साहपूर्वक सुना गया। इस कड़ी में जिलाध्यक्ष प्रवीण जोड़ा ने स्वयं स्वामी नगर में बूथ नम्बर 5, 6, 7, 8, 9 पर जिला पदाधिकारियों व कार्यकर्ताओं के साथ पीएम मोदी के मन की बात कार्यक्रम को सुना। मन की बात कार्यक्रम के उपरांत जिलाध्यक्ष एडवोकेट प्रवीण जोड़ा ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का एक-एक कदम भारत को और अधिक सशक्त और आत्म निर्भर बना रहा है। पीएम ने अपने अपने मन की बात कार्यक्रम के 123वें एपिसोड में योग दिवस का जिक्र किया है और योग दिवस की थीम को लेकर भी चर्चा की। इसके अलावा पीएम मोदी ने देश पर थोपे गए आपातकाल पर बोलते हुए कहा कि देश को आपातकाल का जख्म देने वाले आज हार गए। पीएम मोदी ने देशवासियों से कहा कि 'एक पृथ्वी-एक स्वास्थ्य'। ये सिर्फ एक नारा नहीं है, ये एक दिशा है जो हमें 'वसुधैव कुटुंबकम' का एहसास कराती है। जिलाध्यक्ष प्रवीण जोड़ा ने कहा कि पीएम मोदी के एक एक बात का हर देशवासी पर गहरा असर होता है। उन्होंने कहा कि पीएम नरेन्द्र मोदी ने भारतीय नौसेना व योगा के प्रति दिव्यांग साथियों के साहस पर प्रकाश डालते हुए सभी देशवासियों को प्रोत्साहित किया है। जम्मू-कश्मीर में चिनाब ब्रिज जो दुनिया का सबसे ऊंचा रेलवे ब्रिज है, वहां भी लोगों ने योग किया। देश के तीर्थ स्थलों व तीर्थ यात्रा पर भी पीएम मोदी ने अपने विचार सांझा करते हुए भारतीय संस्कृति पर रोशनी डाली।

पहाड़ों में बारिश आने से लगातार बढ़ रहा घग्गर नदी का जलस्तर, प्रशासन अलर्ट

रविवार सुबह चांदपुरा में 800 क्यूसेक तो शाम को 900 क्यूसेक बहाव हुआ दर्ज

हरिभूमि न्यूज ▶▶| फतेहाबाद

फतेहाबाद। घग्गर नदी में आया पानी। फोटो :हरिभूमि

हिमाचल प्रदेश की शिवालिक की पहाडिय़ों में पिछले दिनों हुई बरसात से घग्गर में जलस्तर लगातार बढ़ रहा है। रविवार को गुहला चीका का जलस्तर 4620 क्यूसिक था। इसी तरह चांदपुरा में 800 क्यूसिक बहाव दर्ज किया गया। जानकारों का मानना है कि ऐसे ही जलस्तर बढ़ता रहा तो एक बार फिर बाढ़ की आशंका से इंकार नहीं किया जा सकता। यह बता देना उचित होगा कि दो वर्ष पूर्व जुलाई माह में बाढ़ आई थी जोकि इससे पूर्व हर बार सितम्बर माह में ही बाढ़ का पानी यहां आया है। हिमाचल में अगस्त व सितम्बर में तेज बारिश के बाद यहां घग्गर में पानी का जलस्तर बढ़ जाता था। पीछे से पानी बढऩे के चलते चांदपुरा साइफन हेड पर भी जलस्तर में वृद्धि दर्ज की गई है। सिंचाई विभाग की रविवार सुबह की रिपोर्ट में गुहला चीका का जलस्तर 4620 क्यूसिक था जबकि फतेहाबाद के चांदपुरा में यह बहाव 800 क्यूसिक दर्ज किया गया है। बता दें कि शनिवार तक जहां नदी में 500 क्यूसेक पानी ही चल रहा था। नदी में बढ़ रहे जलस्तर से किसानों के चेहरे खिले नजर आए है, क्योंकि घग्घर नदी के जल से उन्हें खेतों में सिंचाई करने में आसानी होगी। बताया जा रहा है कि पहाड़ों में अभी बारिश जारी है। ऐसे में भविष्य में आवक लगातार बढ़ सकती है। इसे लेकर भविष्य की स्थिति को मद्देनजर रखते हुए बाढ़ आशंका को भांपते हुए किसान चिंतित भी है। पंजाब, हरियाणा व हिमाचल प्रदेश से बरसाती पानी घग्घर नदी के जरिए जाखल क्षेत्र में पहुंचना शुरू हो गया है। नदी की जल क्षमता से फिलहाल जलस्तर अपेक्षाकृत कम है, वहीं अधिकारी जल का उचित प्रबंधन होने की बात भी कह रहे है।

फिलहाल बाढ़ को लेकर जरा भी चिंता नहीं

सिंचाई विभाग के एसडीओ ने कहा कि अभी जितने पानी की आवक नदी में हो रही है, उससे चिंता की जरा भी बात नहीं है। भविष्य में भी जैसे-जैसे नदी में पानी की आवक होगी, उसे विभिन्न चैनलों के जरिए प्रवाहित किया जाएगा। घग्घर नदी में पानी की आवक होने से धान उत्पादक किसानों को काफी राहत मिलेगी। ऐसे में नदी में पानी की आवक होने से किसान काफी उत्साहित हैं। इससे ग्रामीणों को बड़ी क्षति झेलनी पड़ी थी। उस समय सभी ने दिन-रात एक कर कई दिनों की कड़ी मशक्कत से बिगड़े हालातों पर काबू पाया था। ऐसे में फिलहाल क्षेत्र से गुजरती घग्गर नदी में जलस्तर खतरे के निशान से काफी नीचे है, लेकिन दो साल पहले आई बाढ़ के मंजर को याद कर लोग भयभीत है। ऐसे में खासकर नदी के तट क्षेत्र के ग्रामीणों द्वारा बाढ़ आशंका के मद्देनजर बाढ़ से निपटान हेतु प्रशासन से समुचित व्यवस्थाओं की मांग की गई हैं।

पानी देखने पहुंचने लगे लोग

किसान नदी में पानी आने का इंतजार कर रहे थे। ऐसे में अब नदी में पानी आने से घग्घर नदी क्षेत्र के धान उत्पादक किसान पंपिंग कर धान की फसल में पानी लगाने लगे हैं। वहीं चांदपुरा साइफन हेड पर लोग नदी में पानी की आवक को देखने पहुंचने लगे हैं। लोग जहां पर सेल्फी लेते दिखाई दे रहे है।

ऐसे बढ़ रहा पानी

विभाग के अधिकारियों का मानना है कि पहाड़ी क्षेत्र में भारी बरसात होने से जलस्तर में वृद्धि हुई है। चांदपुरा साइफन हेड पर जलस्तर नदी की क्षमता से अपेक्षाकृत कम है। जहां पर नदी में अभी पानी का स्तर रविवार सुबह 800 क्यूसेक था और शाम को यह बढकर 900 क्यूसेक हो गया। नदी की क्षमता 22 हजार क्यूसेक के करीब है। सावन माह में क्षेत्र में वर्षा काफी कम होने से धान की फसल प्रभावित हो रही थी। ऐसे में घग्गर नदी में जल आवक से ये पानी धान की फसल के लिए अमृत समान है।

दो साल पहले आ गई थी बाढ़

फतेहाबाद में दो साल पहले नदी में भारी मात्रा में पानी की आवक हुई थी, जिससे नदी व नदी के सहायक रंगोई नाले के तटबंध टूटने से जाखल के अलावा जिले के कई क्षेत्रों में बाढ़ आ गई थी। उस वक्त सिंचाई विभाग सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी, कर्मचारी और ग्रामीणों के हाथ पांव फूल गए थे। बाढ़ के मंजर से किसानों की फसले बर्बाद हो गई थी।

रतिया। सड़क पर पड़े वृक्ष को काटते हुए वन विभाग के कर्मचारी।

रतिया में तेज आंधी से सड़क पर गिरे पेड़, यातायात बाधित

हरिभूमि न्यूज. रतिया

रतिया में आज दोपहर बाद आई तेज आंधी से सडक़ किनारे खड़े पेड़ टूटकर सडक़ पर जा गिरे। रामनगर कालोनी के पास एक दशकों पुराना वृक्ष आंधी को सहन न कर सडक़ पर गिर गया जिससे आने-जाने वाले लोग बाल-बाल बच गए। बाद में वन विभाग के कर्मचारियों ने आकर वृक्ष को मौके से हटाया। मिली जानकारी के अनुसार फतेहाबाद रोड से रामनगर कॉलोनी को जाने वाले बड़ी नहर के रास्ते पर एक पुराना वृक्ष खड़ा हुआ था। रविवार सुबह जब तेज आंधी आई तो इस आंधी के कारण वृक्ष उखड़ कर सडक़ पर गिर गया। इस दौरान वहां से गुजर रहे बाइक व कार चालकों ने वृक्ष को सडक़ पर गिरता देख अचानक ब्रेक लगा दी जिससे वह बाल बाल बच गए नहीं तो कोई बड़ा हादसा हो सकता था। लोगों ने इसकी सूचना वन विभाग के कर्मचारियों को दी जिसके बाद वन विभाग के कर्मचारी मौके पर पहुंचे और सडक़ पर पड़े हुए वृक्ष को काटकर साइड पर किया।

फतेहाबाद में बरसात के बाद का नजारा

रतिया, भूना और फतेहाबाद में भारी बारिश से जलभराव

- अनाज मंडी व मॉडल टाउन को जाने वाले रास्ते पर जमा हुआ कई कई फुट पानी, टेलीफोन एक्सचेंज का गेट भी पानी में डूबा

हरिभूमि न्यूज. फतेहाबाद/रतिया।

रतिया। टेलीफोन एक्सचेंज के बाहर खड़ा हुआ पानी व रतिया। मंडी रोड पर खड़ा हुआ पानी। फोटो :हरिभूमि

रविवार को रतिया और भूना में जमकर बरसात हुई जिससे शहर में जलभराव हो गया। फतेहाबाद में भी कल शाम जमकर बरसात हुई। रतिया में शनिवार देर रात और रविवार को हुई बरसात के कारण अनाज मंडी व मॉडल टाउन को जोडऩे वाले रास्ते पर कई-कई फुट बरसाती पानी खड़ा हो गया। कई घंटे बीत जाने के बाद भी प्रशासन के कोई कर्मचारी ने पानी निकासी के लिए कोई जरूरी कदम नहीं उठाए जिस कारण अनाज मंडी के साथ-साथ मॉडल टाउन के लोगों को भी परेशानियों का सामना करना पड़ा। वहीं टेलीफोन एक्सचेंज का गेट भी पानी से भर गया। मॉडल टाउन निवासियों ने बताया कि टेलीफोन एक्सचेंज के पास मॉडल टाउन व अनाज मंडी को जाने वाले रास्ते पर देर रात आई बरसात के कारण कई कई फुट पानी मौके पर जमा हो गया। इस कारण मॉडल टाउन जाने वाले सैकड़ो लोगों को परेशानियों का सामना करना पड़ा। उन्होंने बताया कि इस रोड पर बरसात के समय हर बार पानी जमा हो जाता है लेकिन प्रशासन का कोई अधिकारी पानी निकासी की उचित समस्या समस्या का उचित समाधान करने का प्रयास नहीं कर रहा। लोगों का कहना है कि टेलीफोन एक्सचेंज के पास ही कई लाख रुपए की लागत से रिचार्ज बोर भी लगवाया गया था लेकिन रिचार्ज बोर लगाने का भी कोई फायदा नहीं हुआ और पानी रिचार्ज बोर से बाहर ही रह जाता है। टेलीफोन एक्सचेंज के गेट पर भी पानी खड़ा हो जाने के कारण परेशानी उठानी पड़ी।

किसानों को समस्याओ के समाधान के लिए सड़कों पर उतरकर आवाज करनी होगी बुलंद : विष्णुदत्त

- जांडवाला बागड़ में किसान सभा की कमेटी गठित, रिछपाल भादू चुने गए प्रधान

हरिभूमि न्यूज ▶▶| फतेहाबाद

भट्टूकलां। गांव ढाबी कलां में बैठक को संबोधित करते किसान सभा के जिला प्रधान विष्णुदत्त।

अखिल भारतीय किसान सभा गांव कमेटी जाण्डवाला बागड़ की मीटिंग रविवार को किसान रिछपाल सिंह भादु की अध्यक्षता में हुई। बैठक में किसान सभा के जिला प्रधान विष्णु दत्त ने मुख्य वक्ता के तौर पर हिस्सा लिया। आज की मीटिंग में पिछले तीन साल की गतिविधियों की समीक्षा की गई। वित्तिय स्थिति का लेखा जोखा सुभाष चन्द्र भादु ने रखा। इस मौके पर 14 सदस्यों की नई कमेटी का गठन किया गया। इसमें प्रधान रिछपाल सिंह भादु, सचिव सुभाष चन्द्र भादु, कोषाध्यक्ष ईस्माइल खान, सह सचिव विनोद व मांगेराम, उप प्रधान बीर सिंह व विनोद कुमार चुने गए। इसके बाद मांगे राम, ओमप्रकाश, सतबीर सिंह, सुरेंद्र कुमार, मोहित कुमार, विमला देवी व जमना देवी को सदस्य बनाया गया। बैठक को संबोधित करते हुए जिला प्रधान विष्णु दत्त ने किसानों से एकजुट होने का आह्वान करते हुए कहा कि किसानों, मजदूरों और मेहनतकश जनता को अपनी समस्याओं के

ढाणी में चोरी का प्रयास करने के मामले में महिला गिरफ्तार

हरिभूमि न्यूज ▶▶| फतेहाबाद

फतेहाबाद। चोरी के प्रयास मामले में गिरफ्तार महिला।

गांव काजलहेड़ी के खेत में बनी एक ढाणी में चोरी का प्रयास करने के मामले में फतेहाबाद पुलिस ने एक महिला आरोपी को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार महिला की पहचान कविता पत्नी विनोद, निवासी जोधकां, जिला सिरसा के रूप में हुई है। पुलिस ने आरोपी महिला को अदालत में पेश किया, जहां से उसे हिसार जेल भेज दिया गया। इस मामले में तीन युवकों अमित उर्फ मोटा पुत्र रामनिवास, निवासी जोधकां, जिला सिरसा, ओमप्रकाश पुत्र सूबे सिंह व बंटी पुत्र बिलार सिंह निवासी घासवां को पुलिस गिरफ्तार कर चुकी है। थाना सदर फतेहाबाद के प्रभारी निरीक्षक कुलदीप ने बताया कि दिनांक 25 अप्रैल को गांव काजलहेड़ी निवासी सुरेंद्र कुमार की शिकायत पर मामला दर्ज किया गया था। शिकायतकर्ता ने बताया कि वह कुम्हारिया रोड स्थित अपने खेत में बनी ढाणी में रहता है।

जांच की मांग को लेकर पूर्व पार्षद ने 13वें दिन भी दिया धरना

हरिभूमि न्यूज ▶▶| सिरसा

सिरसा। नगरपरिषद में व्याप्त भ्रष्टाचार के खिलाफ धरने पर बैठे पूर्व पार्षद व शहरवासी।

शिवपुरी के गेट पर पूर्व नगरपार्षद सुशील सैनी का धरना रविवार को 13वें दिन में पहुंच गया। अभी तक सही ढंग से जांच न करवाए जाने को लेकर पूर्व पार्षद ने प्रशासन को घेरते हुए कहा कि प्रशासन थोथी जांच करवाकर नगरपरिषद के भ्रष्ट अधिकारियों को बचाने का प्रयास कर रहा है लेकिन वे इसे कामयाब नहीं होने देंगे। पूर्व पार्षद सैनी ने कहा कि तमाम नियमों को ताक पर रखकर नगर परिषद के अधिकारियों ने सरकारी धन की जो बंदरबांट की है और जनता के खून पसीने की गाढ़ी कमाई को दोनों हाथों से लूटा है, उसके एक एक पैसे का हिसाब देना पड़ेगा। उन्होंने कहा कि स्थानीय भाजपा नेता द्वारा नगरपरिषद में तत्कालीन चेयरपर्सन पर दबाव बनाकर करोड़ों रुपए का हेरफेर किया गया। पूर्व पार्षद सुशील सैनी ने कहा कि प्रशासन ने डीएमसी की जांच के लिए छोटे अधिकारियों की ड्यूटी लगाई है ताकि जनता को गुमराह किया जा सके।

सिरसा। रविवार को युवा जोड़ो अभियान के तहत सिरसा, ऐलनाबाद व रानियां हलके में कार्यकर्ताओं को संबोधित करते दिग्विजय चौटाला।

प्रदेश भाजपा सरकार हर मोर्चे पर विफल: दिग्विजय चौटाला

सिरसा। जननायक जनता पार्टी के युवा प्रदेशाध्यक्ष दिग्विजय सिंह चौटाला ने कहा कि प्रदेश की वर्तमान भाजपा सरकार हर मोर्चे पर विफल साबित हुई है और यही कारण है कि आज प्रतिदिन हरियाणा में प्रतिदिन तीन मर्डर की घटनाएं सामने आ रही हैं। इस दिशाहीन सरकार के समय में प्रदेश का हर वाशिंदा खौफ के साए में जीने को विवश है।वे रविवार को युवा जोड़ो अभियान के तहत सिरसा, ऐलनाबाद व रानियां हलके में आयोजित विभिन्न कार्यक्रमों में कार्यकर्ताओं को संबोधित कर रहे थे। इससे पूर्व उन्होंने अपने अभियान की शुरूआत सिरसा शहर में जेजेपी के कर्मठ कार्यकर्ता लक्की चौधरी द्वारा आयोजित कार्यक्रम से की। इसके बाद वे अलीमोहम्मद, नहराणा, रामपुरा ढिल्लों, मल्लेकां, ऐलनाबाद, गांव बणी, बालासर व सुल्तानपुरिया में भी पहुंचे और काफी संख्या में युवाओं को जेजेपी से जोड़ा। इस दौरान युवा जेजेपी के प्रदेशाध्यक्ष दिग्विजय चौटाला ने वर्तमान भाजपा सरकार की बेकायदगियों पर कहा कि आज सरकार ने पहले से महंगाई के बोझ तले जीवन गुजार रही जनता पर बिजली के रेट बढ़ाकर उनकी कमर पूरी तरह से तोड़ दी है। उन्होंने सरकार को चेतावनी देते हुए कहा कि अगर सरकार ने बिजली के बढ़े हुए रेट वापिस नहीं लिए तो जेजेपी प्रदेश में एक बड़ा आंदोलन करेगी।

महा अभियान फतेहाबाद पुलिस ने चलाया स्वच्छता अभियान

थानों और पुलिस चौकियों में की सफाई

शिकायतकर्ताओं व पीड़ितों से स्नेहपूर्वक व्यवहार करें : एसपी

हरिभूमि न्यूज ▶▶| फतेहाबाद

फतेहाबाद। पुलिस थाने में सफाई अभियान चलाते कर्मचारी।

पुलिस अधीक्षक सिद्धांत जैन के मार्गदर्शन में जिलेभर में स्वच्छ वातावरण-स्वस्थ शरीर अभियान निरंतर रूप से चलाया जा रहा है। इस अभियान के अंतर्गत रविवार को जिले के सभी थानों, चौकियों एवं पुलिस यूनिटों में व्यापक सफाई अभियान चलाए गए। इस अभियान का उद्देश्य न केवल पुलिस परिसर को स्वच्छ रखना है, बल्कि पुलिस कर्मियों एवं आम नागरिकों में स्वच्छता के प्रति जागरूकता भी बढ़ाना है।

यह अभियान अब जन सहयोग से एक जन आंदोलन का स्वरूप लेता जा रहा है, जिसमें पुलिस विभाग के अधिकारी व कर्मचारी स्वयं स्वेच्छा से भाग ले रहे हैं। पुलिस अधीक्षक सिद्धांत जैन ने बताया कि स्वच्छ वातावरण ही स्वस्थ शरीर की नींव है। यदि कार्यस्थल स्वच्छ रहेगा तो कार्यक्षमता भी स्वतः ही बढ़ेगी। उन्होंने सभी थाना प्रभारियों को निर्देशित किया है कि सफाई को नियमित दिनचर्या का हिस्सा बनाया जाए और स्थानीय नागरिकों को भी इसमें भाग लेने के लिए प्रेरित किया जाए। इसके अतिरिक्त एसपी ने यह भी निर्देश दिए हैं कि थाना व चौकियों में आने वाले शिकायतकर्ताओं एवं पीड़ितों से स्नेह पूर्वक व्यवहार किया जाए। उनकी शिकायतों को प्राथमिकता के आधार पर सुना जाए और उनका सम्भवतः तुरंत समाधान किया जाए। थानों में आने वाले व्यक्तियों के लिए बैठने की समुचित व्यवस्था, स्वच्छ पेयजल एवं अन्य मूलभूत सुविधाएं सुनिश्चित की जाए, ताकि वे सम्मानजनक व सहज अनुभव महसूस कर सकें। फतेहाबाद पुलिस विभाग इस अभियान को आने वाले समय में और अधिक विस्तारित करने के लिए प्रतिबद्ध है ताकि स्वच्छ, सुरक्षित और जागरूक समाज की स्थापना सुनिश्चित की जा सके।

सिरसा। वार्डवासी समस्याओं को लेकर बैठक करते हुए।

समस्याओं के समाधान के लिए वार्डवासियों ने की मीटिंग, अधिकारियों पर बरसे

सिरसा। शहर के हरी विष्णु कॉलोनी के श्री रामानुज हनुमान मंदिर के हाल में वार्ड नंबर 10 के गणमान्य वरिष्ठ नागरिकों व युवाओं ने एक मीटिंग की। मीटिंग में वार्ड में जो सांझे काम जैसे पीने के पानी में सीवर का पानी मिक्स होकर आना, कई गलियों जैसे की राम गली व इनके साथ लगती गलियों में पीने के पानी का न आना, केंद्रीय विद्यालय नंबर-2 से लेकर फौजी चौक और आसपास के एरिया में बरसात के पानी की निकासी बरसात बंद होने के एक एक सप्ताह बाद तक गंदा पानी जमा रहने, पूरे वार्ड में सीवरेज की सफाई न होने के कारण गंदा सीवर का पानी गलियों में भरा रहना, बिजली निगम ने जो खंभे और ट्रांसफार्मर सडक़ के लगभग बीचों बीच लगाने और अभी तक पुराने खंभों की न हटाने, वार्ड में आवारा पशुओं व कुत्ते की भरमार, नशाखोरों और चोरों की भरमार और सफाई न होने जैसी अनेक समस्याओं के बारे में प्रशासन और नेताओं से बार-बार गुहार लगाने के बाद भी किसी प्रकार का समाधान ने होने के बारे में विस्तार से चर्चा की। सभी ने सहमति से निर्णय लिया कि एक बार फिर संबंधित विभागों व जिला उपायुक्त से मिलकर या पत्राचार करके इन समस्याओं के समाधान के लिए बातचीत की जाए, ताकि कोई समाधान हो जाए।